फाल्गुन कृष्णा - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 206 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 21-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में 11,000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बने

6 मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति

7 नब्बे के दशक में बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करती थी : करुणा पांडे

फर्स्ट टेक

सोनिया गांधी गंगाराम अस्पताल में भर्ती : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 78 वर्षीय सोनिया की हालत ठीक है और शुक्रवार को उन्हें छुट्टी दी जा सकती है। एक सूत्र ने बताया कि कांग्रेस नेता को बृहस्पतिवार सुबह भर्ती कराया गया। सूत्र ने बताया कि वह चिकित्सकों की एक टीम की निगरानी में हैं।

नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम को एक साल का सेवा विस्तार मिला

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रह्मण्यम का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में यह जानकारी दी। छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी सुब्रह्मण्यम को फरवरी, 2023 में दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया था। आदेश में कहा गया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने नीति आयोग के सीईओ के रूप में सुब्रह्मण्यम के कार्यकाल को 24 फरवरी, 2025 से आगे एक साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच शुरू

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस को बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार को उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल सुबह गोरेगांव और जे जे मार्ग पुलिस थानों में मिले, जिसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। अधिकारी ने बताया, प्रेषक के 'आईपी एड्रेस' पर नजर रखी जा रही है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले कहा था कि एक धमकी भरा फोन आया था।

आईफोन 16ई को भारत में ही असेंबल करेगी एप्पल

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल अपनी नई श्रृंखला आईफोन-16ई को भारत में असेंबल कर रही है। ये फोन घरेलू बिक्री के साथ-साथ कुछ चुनिंदा देशों को निर्यात भी किए जाएंगे। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने आईफोन 16 सीरीज के मुकाबले आईफोन 16ई को कम दाम में पेश किया है, जिसकी बिक्री भारत में 28 फरवरी से शुरू होगी।

सूर्यास्त	सूर्योदय
21-02-2025	22-02-2025
6:16 बजे	6:28 बजे

BSE	NSE
75,735.96	22,913.15
(-203.22)	(-19.75)

सोना	चांदी
8,919 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सत्ता का पत्ता

कर देंगे हल सारे मसले,
बोले दे दो बस सत्ता।
सत्ता पाने बाद दिखाते,
वे जनता को अब धत्ता।
धत्ता देते ठस बयान दे,
ना खोले अपना पत्ता।
पत्ता छोड़ो दिखा न पाए,
पपलू तक भी अलबत्ता।।

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छात्र जीवन से राजनीति में कदम रखने वाली एवं पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और फिर कार्यभार संभालते ही कहा कि वह 'विकसित दिल्ली' के 'मिशन' को साकार करने में एक भी दिन बर्बाद नहीं करेगी और नई सरकार राजधानी की जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करेगी।

करीब 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा सरकार में गुप्ता के साथ छह विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की पूर्व अध्यक्ष रेखा गुप्ता ने दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। साथ ही, आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, भाजपा का पंजाबी चेहरा आशीष सूद, पार्टी का सिख चेहरा मनजिंदर सिंह सिरसा, कट्टर हिन्दू की छवि वाले कपिल मिश्रा, अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाले रविंद्र इंद्राज और पूर्वांचली चेहरा पंकज कुमार सिंह ने नई मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली।

सिरसा को छोड़कर अन्य सभी मंत्रियों ने हिंदी में शपथ ली।

सुषमा स्वराज, कांग्रेस की शीला दीक्षित और आम आदमी पार्टी की आतिशी के बाद गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं। वह मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद दिल्ली में भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री हैं। इसके साथ ही वह, वर्तमान में भाजपा शासित किसी भी राज्य में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं।

वर्तमान में, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद वह देश में दूसरी महिला मुख्यमंत्री हैं।

विजेंद्र गुप्ता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के उम्मीदवार

नई दिल्ली/भाषा। रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता को दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का उम्मीदवार नामित किया गया है। पार्टी नेताओं ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गुप्ता ने पार्टी द्वारा उन्हें विधानसभा के अध्यक्ष पक्ष के लिए नामित किए जाने की पुष्टि करते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं सबसे पहले उन कैग रिपोर्ट को सदन में पेश करूंगा, जिन्हें पिछली 'आप' (आम आदमी पार्टी) सरकार ने लंबित रखा था।'' रोहिणी से तीसरी बार विधायक चुने गए सिंह ने अन्य भाजपा विधायकों के साथ मिलकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

'लाल आंख की बजाय लाल सलाम' की चीन नीति अपना रही है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि लाल आंख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर बढ़ रही चीनी गतिविधियों को लेकर चुप्पी साधे हैं और 'लाल आंख की बजाय लाल सलाम' की नीति अपनाई जा रही है।

खरगे ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए ट्वीट करके कहा, नरेन्द्र मोदी जी, आप चीन को 'लाल आंख' दिखाने के बजाय 'लाल सलाम' की नीति अपना रहें हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा,भौगोलिक संप्रभुता एवं अखंडता सर्वोपरि है लेकिन मोदी सरकार इसे ख़तरे में डाल रही है। हमारा आरोप बड़ी ज़िम्मेदारी के साथ और तथ्यों के आधार पर है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया,चीन ने अरुणाचल के बॉर्डर पर 90 नए गाँव बसाने शुरू कर दिए हैं, पहले हमारी सीमा पर 628 ऐसे गाँव चीन बसा चुका है, ऐसा समाचार पत्रों का कहना है। मोदी सरकार सीमा पर 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का ख़ूब प्रचार करती है, संसद में आपने ख़ूब बढ़ा-चढ़ाकर इसका बखान किया है। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले दो वर्षों में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का 90 प्रतिशत फंड खर्च नहीं हुआ है। ये योजना फ़रवरी 2023 में लॉन्च की गई थी और 4800 करोड़ रुपए आवंटित फंड में से केवल 509 करोड़ रुपए ही ख़र्च हुए हैं।

झारखंड बोर्ड: दसवीं कक्षा के हिंदी, विज्ञान के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा रद्द

रांची/भाषा। झारखंड शैक्षणिक परिषद (जेएसी) ने 10वीं कक्षा की हिंदी और विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक हो जाने और सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, दोनों विषयों की परीक्षा रद्द कर दी है। हिंदी की परीक्षा 18 फरवरी को आयोजित की गई थी, जबकि विज्ञान की परीक्षा 20 फरवरी को होनी थी। परिषद ने एक नोटिस में कहा, ''सभी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों, संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों, परीक्षा केंद्र अधीक्षकों और अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर, 18 फरवरी को पहली पाली में हुई हिंदी (पाठ्यक्रम ए और पाठ्यक्रम बी) की परीक्षा और 20 फरवरी को पहली पाली में प्रस्तावित विज्ञान विषय की परीक्षा को रद्द किया जाता है।'' परिषद ने यह भी बताया कि इन विषयों की पुनर्परीक्षा बाद में आयोजित की जाएगी। राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रश्नपत्र लीक की सूचना कोडरमा से आई है। जेएसी ने इस संबंध में कोडरमा के उपायुक्त से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।''

केसीआर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और अन्य के खिलाफ कालेश्वरम परियोजना के तहत मेदिगड्डा बैराज के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले व्यक्ति की जयशंकर भूपलपल्ली शहर में हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस घटना ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया गया। मृतक के परिजनों और तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने हत्या के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, बीआरएस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

'सांस्कृतिक विरासत का प्रामाणिक स्तंभ है भाषा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि भाषा साहित्य से परे है क्योंकि यह समसामयिक परिदृश्य को परिभाषित करती है और यदि भाषा नहीं पनपेगी तो इतिहास भी नहीं पनपेगा।

धनखड़ ने 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन की पूर्व संध्या पर यहां उप राष्ट्रपति निवास में एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि किसी क्षेत्र को जीतने का सबसे अच्छा तरीका यह नहीं है कि उस पर भौगोलिक रूप से कब्ज़ा करके उसकी संस्कृति पर कब्ज़ा कर

लिया जाए और उसकी भाषा को नष्ट कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि करीब 1200-1300 साल पहले, जब सब कुछ उत्थान पर था और सब ठीक चल रहा था। दुनिया भारत की ओर देख रही थी। भारत ज्ञान का भंडार था। नालंदा और तक्षशिला जैसी संस्थाएं भारत में थी।

कार्यक्रम में धनखड़, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ. सुदेश धनखड़, वरिष्ठ राज्यसभा सांसद शरद पवार, लोकसभा सांसद श्रीमती सुप्रिया सुले, अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन महामंडल की अध्यक्ष प्रोफेसर उषा तांबे और सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. तारा भावकर आदि मौजूद रहे।

धनखड़ ने कहा, फिर आक्रमणकारी आए, वे हमारी भाषा, संस्कृति, और धार्मिक स्थानों के लिए बहुत दमनकारी एवं क्रूर थे। उस समय बर्बरता और प्रतिहिंसा चरम सीमा पर थी। आक्रमणकारियों ने हमारे दिल पर चोट करने के लिए, हमारे धार्मिक स्थान के ऊपर ही अपना स्थान बना दिया। आक्रान्ताओं ने हमारी भाषाओं को कुंठित कर दिया।

उन्होंने कहा कि यदि हमारी भाषा नहीं पनपेगी तो इतिहास भी नहीं पनपेगा। किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी सांस्कृतिक विरासत है और इन सबमें भाषा सबसे प्रामाणिक स्तंभ है।

धनखड़ ने कहा , भाषा साहित्य से परे है क्योंकि वह साहित्य समसामयिक परिदृश्य, तत्कालीन परिदृश्य, तत्कालीन चुनौतियों को परिभाषित करता है और यह ज्ञान और बुद्धिमत्ता पर भी ध्यान देता है।

अगर मस्क भारत में टेस्ला की फैक्टरी शुरू करते हैं तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर एलन मस्क की टेस्ला कंपनी भारत के शुल्क से बचने के लिए वहां फैक्टरी का निर्माण करती है, तो यह अमेरिका के प्रति अन्याय होगा।

ट्रंप की यह टिप्पणी शुल्क में उल्लेखनीय वृद्धि करने के उनके बयानों के बीच आई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक से कुछ घंटे

पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

हाल में 'फॉक्स न्यूज' के सीन हैनिटी के साथ साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि उनकी बैठक के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक शुल्क वसूलता है।

ट्रंप ने कहा कि मस्क के लिए भारत में कार बेचना ''असंभव'' है। उन्होंने कहा, ''दुनिया का हर देश हमारा फायदा उठाता है और वे शुल्क लगाकर ऐसा करते हैं... उदाहरण के लिए भारत में व्यावहारिक रूप से कार बेच पाना असंभव है।''

ट्रंप ने साक्षात्कार में कहा, ''अगर वह (मस्क) भारत में फैक्टरी बनाते हैं तो ठीक है, लेकिन यह हमारे साथ अन्याय होगा। यह बहुत अनुचित है।''

सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख मस्क भी इस साक्षात्कार के दौरान मौजूद थे।

कुछ दिन पहले इलेक्ट्रिक कार निर्माता 'टेस्ला' ने भारत में विभिन्न पदों के लिए भर्ती निकाली थी, जिसमें 'बिजनेस ऑपरेशन एनालिस्ट' और 'कस्टमर सपोर्ट स्पेशलिस्ट' शामिल हैं।

कोच्चि हवाई अड्डे पर 'बम' की टिप्पणी करने पर यात्री हिरासत में लिया गया

कोच्चि/भाषा। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री ने मजाकिया अंदाज में बैग में बम होने की बात कही जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। हवाई अड्डा पर सुरक्षा अधिकारियों ने कोझिकोड निवासी राशिद को बुधवार रात करीब 11:30 बजे हुई इस घटना के बाद नेदुम्बस्सेरी पुलिस को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, कोच्चि से कुआलालंपुर जाने वाली उड़ान में सवार होने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुरक्षा अधिकारी ने राशिद से उसके सामान के वजन के बारे में पूछा। इस पर उसने मज़ाक में कहा कि उसमें 'बम' है जिसके बाद अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि राशिद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और बाद में उसे रिहा कर दिया गया।

महाकुंभ में अब तक 58 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। महाकुंभ में बृहस्पतिवार को शाम आठ बजे तक 1.28 करोड़ श्रद्धालुओं के गंगा और संगम में स्नान के साथ ही स्नान करने वालों की कुल संख्या 58 करोड़ से ज्यादा हो गई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

महाकुंभ मेले के अंतिम चरण के सफल संचालन के लिये प्रदेश सरकार 1200 अतिरिक्त बसें चलाएगी।

सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, इन बसों का क्षेत्रवार आबंटन किया गया है ताकि श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों।

उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि स्नान एवं 20 से 28 फरवरी, 2025 के लिए 1,200 बसें रिजर्व रखी गई हैं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा ना हो। इसके अलावा संगम क्षेत्र में 750 शटल बसें पहले से संचालित की जा रही हैं।

त्रिवेणी में डुबकी लगाने देश-विदेश से आ रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रतिदिन लगभग 13 हजार क्यूसेक पानी गंगा बैराज से छोड़ा जा रहा है।

प्रयागराज के सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता रमेश कुमार सिंह के मुताबिक दिसंबर 2024 से गंगा बैराज से नियमित अंतराल पर पानी छोड़ा जा रहा है।

इस बीच, महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने की अवधि बृहस्पतिवार को 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक के लिए बढ़ा दी।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी सूचना के मुताबिक, आवागमन में असुविधा और छात्र हित में 21 फरवरी से 26 फरवरी तक जनपद के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्र में स्थित कक्षा एक से आठ तक के समस्त विद्यालयों में कक्षाएं आनलाइन संचालित की जाएंगी।

गिल का नाबाद शतक, भारत ने बांग्लादेश को छह विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एजेन्सी। मोहम्मद शमी (पांच विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (नाबाद 101) के शतक, केएल राहुल (नाबाद 41) और रोहित शर्मा (41) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत ने गुरुवार को चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते बांग्लादेश को छह विकेट से हरा दिया।

बांग्लादेश के 228 रन के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारत की कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। 10वें ओवर में तसकीन अहमद ने रोहित शर्मा को आउट कर बांग्लादेश को पहली सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 36 गेंदों में सात चौकों की मदद से (41) रनों की पारी खेली। विराट कोहली (22), श्रेयस अय्यर (15) और अक्षर पटेल (आठ) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये के एल राहुल ने शुभमन गिल से पारी को संभाला। शुभमन गिल ने 129 गेंदो में नौ चौके और दो छक्कों की मदद से (नाबाद 101) रनों की पारी खेली। के एल राहुल ने 47 गेंदों में एक चौके और दो छक्का लगाते हुए (नाबाद 41) रन बनाये। के एल राहुल ने तनजीम हसन साकिब की गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। भारत ने 46.3 ओवर में चार विकेट पर 231 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीता।

बांग्लादेश की ओर से रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। तसकीन अहमद और मुस्तफिज़ुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां बांग्लादेश के कप्तान नाजमुल हसन शान्तो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 35 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये।

फिक्की फ्लो चेन्नई ने श्रेया घोषाल के साथ एक शानदार शाम की मेजबानी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की महिला शाखा फिक्की फ्लो चेन्नई ने अध्यक्ष डॉ. सीए दिव्या अभिषेक के नेतृत्व में भारत की सबसे प्रसिद्ध और बहुमुखी पार्श्व गायिकाओं में से एक श्रेया घोषाल के साथ एक आकर्षक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी की। कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों, फिल्मफेयर पुरस्कारों और विभिन्न भाषाओं के प्रतिष्ठित गीतों की एक विशाल सूची के साथ, वह भारतीय संगीत की एक सच्ची राजदूत हैं। यह कार्यक्रम नेक्सपीरियंस एंटरटेनमेंट के सहयोग से आयोजित किया गया था। विचारोत्तेजक चर्चा के दौरान, श्रेया घोषाल ने भारतीय संगीत उद्योग में अपनी यात्रा साझा की, अपने अनुभवों, चुनौतियों और जीत के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। उन्होंने संगीत के प्रति अपने जुनून, उद्योग के विकास और अपनी कला के प्रति सच्चे रहने के महत्व के बारे में बात की। पेशेवर उत्कृष्टता और व्यक्तिगत विकास के बीच संतुलन बनाने के उनके दृष्टिकोण ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।

संगीत के अलावा, श्रेया घोषाल अपने परोपकारी योगदान के लिए जानी जाती हैं, जो बाल कल्याण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे विभिन्न कारणों का समर्थन करती हैं। वह सामाजिक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं और महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करती हैं, जो उन्हें एक सच्ची रोल मॉडल बनाता है।

इस कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, एफएलओ चेन्नई की अध्यक्ष डॉ. दिव्या अभिषेक ने कहा, श्रेया घोषाल की यात्रा समर्पण, प्रतिभा और लचीलेपन का प्रमाण है। उनकी अंतर्दृष्टि प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक दोनों थी, जिसने उपस्थित सभी लोगों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। यह शाम नारीत्व की भावना और दृढ़ता की शक्ति को समर्पित है। इस कार्यक्रम में 475 से अधिक एफएलओ सदस्यों, विशिष्ट अतिथियों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति रही।

'विकृतियों से बचना चाहिए और प्रकृति की ओर लौटना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा/भद्रावती।गुरुवार को होसदुर्गा-हिरियूर की पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आने वाले बीस-पच्चीस वर्ष बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये आध्यत्म और भौतिकवाद के बीच के कड़े संघर्ष के हैं। यह निर्णायक कालखंड निर्धारित करेगा कि प्रकृति, प्राणीजगत और मनुष्यजाति का भविष्य क्या होगा ? या तो मनुष्यजाति प्रकृति की ओर वापस लौटेगी अथवा व्यापक विनाश के बाद उजड़ी हुई प्रकृति और हड्डियों के ढेर बचेंगे। जो परिवर्तन पिछले सौ-दो सौ वर्षों में हुआ है, वैसा शायद हजारों-लाखों वर्षों में भी नहीं हुआ। विज्ञान और तकनीकी विकास के नाम पर हम उस मोड़ पर आ गए हैं, जहां आगे मार्ग पूरा हो रहा है और गहरी खाई है। सभ्यताओं का विकास और तकनीकी युग तो अतीत के इतिहास में भी रहा है। मनुष्य की बौद्धिक प्रतिभा कोई इसी युग की देन नहीं है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रकृति के साथ प्राणीजगत का गहरा संबंध है। बिना प्रकृति के जीवन जीना असंभव है। ज्यों-ज्यों मनुष्य प्रकृति से टूटता है, त्यों-त्यों वह विकृतियों का भोग बनता जाता है। आज प्राकृतिक संपदा भी नष्ट हो रही और मनुष्य का प्राकृतिक जीवन भी नष्ट हो रहा। इस प्रकार जीवन विकृतियों से भरकर दुःखदायी बन रहा। यह सांस्कृतिक पतन सुख-शांति को भी विनष्ट कर रहा। अध्यात्म की अभिरुचि हमारी प्रकृति है। आध्यत्म से विमुख बनना विकृति है। संसार के दलदल में रहते हुए भी सदाचारी जीवनयापन करने का पुरुषार्थ करना संस्कृति है। जीवन के ये तीन स्वरूप हैं। प्रकृति हमारी जड़ें हैं। संस्कृति उसके फल हैं। जो जड़ों से टूट जाता है, वह कभी फलदायी नहीं बन सकता। उभरानी रिजर्व फारेस्ट की पदयात्रा के दौरान प्रकृति के सान्निध्य में संतजनों ने दो दिन बिताए। इस दौरान उन्होंने प्रकृति और आध्यत्म के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति के बिना साधना नहीं होती। यही कारण है कि तीर्थस्थलियां पहाड़ों पर अथवा नदियों के तट पर होती हैं। ध्यान, मंत्रजाप और योग साधना के लिए पहाड़, गिरिकंदराएं, गुफाएं, नदी अथवा सरोवर के तट चुंबकीय ऊर्जा के उद्गमस्थल होते हैं। वहां प्राकृतिक ऊर्जा का आत्मशक्तियों के साथ संक्रमण होता है। वह आध्यात्मिक अनुभूति विवेचना से परे हैं। यही वजह थी कि साधु-संत, ऋषि-मुनि, फ़क़ीर, सूफ़ी संत और साधक सांसारिक समाज से दूर प्रकृति के सान्निध्य में निवास करते थे।

नवदीक्षित को सांसारिक क्रियाओं का त्याग कर पांच महाव्रतों को धारण करना चाहिए : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

अक्कीपेट संघ के तत्वावधान में हुई साध्वी अक्षयनिधिश्री की बड़ी दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान गोड़वाड़ भवन में नवदीक्षित साध्वीश्री अक्षयनिधिश्रीजी की बड़ी दीक्षा हुई। उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी म.सा. ने बड़ी दीक्षा प्रदान करते हुए दशवैकालिक सूत्र के माध्यम से कहा कि आज के बाद नव दीक्षित को संसार के सभी रिश्ते नाते और सांसारिक क्रियाओं का त्याग करके मन वचन और काया को संयमित रखते हुए पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ती का पालन करते हुए अपने गुरु और गुरुणी की आज्ञानुसार विचरण करना है। साधु को अपना हर कार्य विवेकपूर्वक यतना से करना होता है। साधु को भ्रमर की तरह मधुकरी करते हुए गोचरी लाकर अपनी उदरपूर्ति करना है।

सभा को महासती डॉ दर्शनप्रभाजीजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, आस्थाश्रीजी तथा नव दीक्षित महासती अक्षयनिधिश्रीजी ने भी संबोधित किया। शालिभद्रमुनिजी ने अपने उद्गार व्यक्त किए। अक्कीपेट संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। नवकार विजय संगीत मंडल कि सदस्याओं ने रेखा देवड़ा के नेतृत्व में मंगलाचरण किया। सत्य बहू मंडल की अनामिका लुंकड़ और कविता श्रीश्रीमाल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। दीक्षा गीत चंदनबाला महिला मंडल की सदस्यों ने दया लुंकड़ के नेतृत्व में प्रस्तुत किया।

लाभार्थी पंचकेसरी बडेरा परिवार कि ओर से प्रकाशचंद बडेरा ने संघ का आभार प्रकट किया। विनोद भुरट ने सभी का धन्यवाद दिया। संघ के उपाध्यक्ष प्रकाशकरण मेहता ने तथा नवयुवक मंडल के अध्यक्ष कमलेश सालेचा के नेतृत्व में सदस्यों ने सभी व्यवस्थाएं संभाली।

मातृभाषा दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी अंकुर चौहान के निर्देशानुसार मातृभाषा दिवस मनाया जा रहा है। एक प्रश्नमंच का आयोजन करने का इरादा किया गया। इसमें 100 से अधिक कर्मचारियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। अपर मंडल रेल प्रबंधक अंकुर चौहान ने सुझाया कि मातृभाषा दिवस पूर्वांग समारोह के रूप में आज प्रारंभिक दौर चलाया जाए। इसमें विभिन्न विभाग के, जोलारपेट, काट्पाडी, अरक्कोणम आदि दूर-दूर स्थानों से भी कर्मचारी आकर भाग लिए थे।

20 फरवरी को प्रथम सौ कर्मचारियों के लिए प्रश्नमंच चलाया गया। निर्णायक के रूप में सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी के.श्रीरंगनायकी, और जनसम्पर्क अधिकारी ए.एळुमलै उपस्थित थे। चेन्नई मंडल के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्रीनिवासन ने प्रश्नमंच का संचालन किया।

हिंदी विभाग के कर्मचारियों ने इसकी व्यवस्था संभाली। इनमें से पांच टीम को चुना गया। नए विषय को लेकर सभी प्रतिभागियों ने प्रशंसा की।

दिव्यांगजनों के लिए मेगा जॉब फेयर कल

इस आयोजन से 300 से अधिक दिव्यांगों को 25 अग्रणी कॉर्पोरेट नियोक्ताओं से नौकरी के अवसर मिल सकेंगे इस आयोजन में शीर्ष कंपनियों के साथ ऑन-द-स्पॉट जॉब इंटरव्यू करियर गाइडेंस और रिज्यूमे-बिल्डिंग वर्कशॉप जिससे उम्मीदवारों की रोजगार योग्यता बढ़ती है हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोटरी क्लब ऑफ मद्रास टी. नगर, विशेष और डी.जी. वैष्णव कॉलेज के स्पेशल नीड्स इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेल के सहयोग से दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडीएस) के लिए एक मेगा जॉब फेयर का आयोजन 22 फरवरी को डी.जी. वैष्णव कॉलेज परिसर में किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण पहल दिव्यांगजनों और समावेशी नियोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से की जा रही है, जिससे एक ऐसा कार्यस्थल विकसित किया जा सके जो विविधता और समान अवसरों को बढ़ावा देता हो इस आयोजन से 300 से अधिक दिव्यांगों को 25 अग्रणी कॉर्पोरेट नियोक्ताओं से नौकरी के अवसर मिल सकेंगे इस आयोजन में शीर्ष कंपनियों के साथ ऑन-द-स्पॉट जॉब इंटरव्यू करियर गाइडेंस और रिज्यूमे-बिल्डिंग वर्कशॉप जिससे उम्मीदवारों की रोजगार योग्यता बढ़ती है हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा।

इस मेगा जॉब फेयर में उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों और दिव्यांगता अधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा प्रेरणादायक सत्र के माध्यम से समावेशी भर्ती के महत्व को बताने का प्रयास किया जाएगा। देश की कई प्रमुख कंपनियां फेयर में भाग लेकर दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। दिव्यागजनों हेतु यह कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क है और सभी दिव्यांग नौकरी चाहने वालों के लिए खुला है। यह जानकारी रोटरी क्लब ऑफ मद्रास के अध्यक्ष रोटेरियन नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के आपदा बांधव चैरिटेबल ट्रस्ट एवं कर्नाटक रक्षणा वेदिके के संयुक्त तत्वावधान में चंद्रा लेआउट में आयोजित बेंगलूरुनगर हब्बा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए ट्रस्ट के प्रसाद शेट्टी एवं सतीश।

सामायिक आराधना दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी की प्रेरणा से प्रारंभ रत्नत्रय आराधना सामायिक मंडल द्वारा प्रति गुरुवार को समभाव आराधना स्वरूप पूनिया श्रावक सामायिक का आयोजन किया जाता है जिसमें 23 आराधकों ने भाग लिया। इस आराधना में जैन धर्म से संबंधित ज्ञान दिया जाता है तथा जैनिज्म से जुड़ी सामान्य क्रियाओं को कराया जाता है।

लोकायुक्त पुलिस ने एमयूडीए मामले में अदालत में 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट जमा की

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने बृहस्पतिवार को एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में अदालत को 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट सौंपी। यह घटनाक्रम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लोकायुक्त पुलिस द्वारा दी गई क्लीन चिट के आधिकारिक रूप से सार्वजनिक होने के एक दिन बाद हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लोकायुक्त पुलिस ने विशेष अदालत को 11,000 पन्नों की अंतिम रिपोर्ट सौंपी है, जो विशेष रूप से बेंगलूरु में पूर्व और मौजूदा सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों से निपटती है। सिद्दरामय्या पर मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताओं के आरोप हैं। सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी, साले बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य को मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस प्रतिष्ठान द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में नामजद किया गया था। विशेष अदालत ने इस आशय का आदेश दिया था। देवराजू से स्वामी ने एक जमीन खरीदी थी और इसे पार्वती को उपहार में दिया था। आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर की गई शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बुधवार को स्नेहमयी कृष्णा को भेजे गए नोटिस में लोकायुक्त पुलिस ने कहा था कि उन्होंने जांच की और सबूतों के अभाव में पहले चार आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित नहीं हुए हैं और वे अदालत को अंतिम रिपोर्ट सौंप रहे हैं। उसने कहा, यदि शिकायकर्ता को कोई आपत्ति है तो वह इसे नोटिस की तारीख से एक सप्ताह के भीतर विशेष अदालत के मजिस्ट्रेट के समक्ष चुनौती दे सकते हैं।

अपना घर, वित्तीय आजादी आज के युवाओं का प्रमुख लक्ष्य : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अपना घर, उद्यमिता और वित्तीय आजादी भारतीय युवा आबादी के शीर्ष तीन दीर्घकालिक लक्ष्य हैं। एक अध्ययन मे यह बात कही गई है।

'फाइब-मिलेनियल अपग्रेड इंडेक्स' पर आधारित अध्ययन में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल 41 प्रतिशत से अधिक युवा आबादी अपना घर रखना चाहती है और उनकी आयु 30 वर्ष से कम है।

इसमें कहा गया है कि एकल महिलाओं ने एकल पुरुषों की तुलना में घर खरीदने की अधिक महत्वाकांक्षा दिखाई।यह अध्ययन महानगरों और गैर-महानगरों के 8,000 व्यक्तियों के बीच किया गया था। उत्तरदाताओं में से अधिकांश (47 प्रतिशत) 30 वर्ष से कम आयु के थे, इसके बाद 30-35 वर्ष की आयु के 26 प्रतिशत, 35-40 वर्ष की आयु के 14 प्रतिशत और 40 वर्ष से अधिक आयु के 13 प्रतिशत उत्तरदाता थे।

सर्वेक्षण में शामिल लगभग 21 प्रतिशत व्यक्तियों का लक्ष्य अपना कारोबार शुरू करना या उसे बढ़ाना है, और 19 प्रतिशत लोग लंबी अवधि में आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनना चाहते हैं।

अध्ययन में पाया गया कि दूसरी ओर, पेशेवर विकास, नया गैजेट या वाहन खरीदना, और व्यक्तिगत सुधार जैसे कि दंत चिकित्सा, नेत्र शल्य चिकित्सा, और फिट होना युवा आबादी के अल्पकालिक लक्ष्यों में सबसे ऊपर हैं।

महानगरों में रहने वाली युवा आबादी बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बेहतर नौकरी हासिल करने के बारे में अधिक चिंतित हैं। महानगरों के 60 प्रतिशत युवाओं ने इसे एक प्रमुख लक्ष्य बताया है।

फाइब के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय मेहरोत्रा ने कहा, ''हमारा अध्ययन उनके सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ उनकी जीवंत आकांक्षाओं को भी उजागर करता है, जो अनुरूप वित्तीय समाधानों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई क्लासीफाइड

नाम परिवर्तन

सार्वजनिक नोटिस

मैं, **मुथुप्रिया ए**, पुत्री/. अनंतप्पन, पत्नी/. मुथुकुमार यू , हिंदू, उम्र लगभग 29 वर्ष, निवास स्थान- पोसुकुडी, पोस्ट-मिसल, तालुक- मुधुकुलाथुर, जिला- रामनाथपुरम, तमिलनाडु- 623712.

मेरे आधार (2101 5371 4075) में मेरा नाम प्रारंभिक रूप से मुथुप्रिया ए लिखा हुआ है।

मैं सत्यनिष्ठा से पुष्टि करती हूं कि **मुथुप्रिया ए और मुथुप्रिया एम एक ही व्यक्ति हैं** और इसने 19.02.2025 को तमिलनाडु, मदुरै जिला न्यायालय के समक्ष एक हलफनामा प्रस्तुत किया है।

साक्षी

मां की अवेलहना करने वाला कभी सुखी नहीं होता : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर जैन स्थानक में विराजित शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि धन-सम्पत्ति सभी जीते जीवन तक ही साथ रहते हैं, मृत्यु आने से पहले ही सभी पारिवारिक जन अपनी अपनी गोटी फिट करने में लग जाते हैं। इस मानव जीवन में मानवों के सम्बंधों-रिश्तों इतनी बड़ी दरारें पड़ रही है। मीठे बोल बोलकर मृत्यु सुधारने की बजाय स्वार्थ सिद्धि में लगे रहते है। संसार की पालनहार मातृ की आसातना करने वाला कभी सुखी नहीं बन सकता है। जो मां का नहीं बना, वो किसी का भी नहीं बन सकता। जैसे तितलियों की तरह क्षणिक रंगीन उड़ाने मानवों को आकर्षित करती है वैसे ही इन्सान इंद्रियों की रंगीन-रमझट में आकर्षित बना, माता-पिता की पग पग पर आसातना कर रहा है। जीवन में सुख चाहने से नहीं, दूसरों को सुख पहुंचाने से सुख मिलता है। फूल में सौरभ होना, उसका गुण है, वैसे ही धनवान को विनयवान बनना ही उसकी सौरभ है। संघ महामंत्री सुरेश धोका ने स्वागत किया। संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अमित शाह 25 को कोयम्बटूर जिला भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करेंगे

कोयम्बटूर। यहां आगामी 25 फरवरी को केन्द्रीय गृहमंत्री अमितशाह भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। उनके विशेष स्वागत के लिए एक बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष जे. रमेशकुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भाजपा के राज्य कोषाध्यक्ष श्रीशेखर, राष्ट्र महासमिति के सदस्य डॉ. जीकेएस, सेलवाकुमार, कर्नल पांडियन, पूर्व विधायक चिनराज सहित अनेक जिला प्रशासकों और मंडल प्रशासकों की उपस्थित रही। गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्री अमित शाह यहां ईशा फाउन्डेशन द्वारा संचालित आदियोगी परिसर में विश्व विख्यात महाशिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ भी करेंगे।

प्रधानमंत्री सहकारी संघवाद के हित में हस्तक्षेप करें और तमिलनाडु को एसएसए फंड जारी करें : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्य के लिए समग्र शिक्षा निधि की 2,152 करोड़ रुपये की धनराशि तत्काल जारी करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने दोहराया कि दो अलग-अलग केंद्र प्रायोजित योजनाओं.. सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और पीएम श्री स्कूल को जोड़ना मौलिक रूप से स्वीकार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को सहकारी संघवाद और लाखों छात्रों एवं शिक्षकों के कल्याण के हित में हस्तक्षेप करना चाहिए।

स्टालिन ने मोदी को संबोधित एक पत्र में कहा, इस मुद्दे के कारण उपजी अशांति को दूर करने के लिए तमिलनाडु के लिए राष्ट्रीय शिक्षा कार्यक्रम (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन से जोड़े बगैर समग्र शिक्षा निधि से 2024-25 के लिए 2,152 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने चाहिए। मुद्दे की संवेदनशीलता को देखते हुए मैं इस संबंध में आपके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।

उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हाल ही में की गई उस कथित टिप्पणी पर गहरी चिंता' व्यक्त की, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि तमिलनाडु के लिए एसएसए फंड तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि राज्य नयी शिक्षा नीति (एनईपी) को पूरी तरह से लागू नहीं करता और त्रि-भाषा नीति को नहीं अपनाता। मुख्यमंत्री ने कहा, इससे हमारे राज्य में छात्रों, राजनीतिक दलों और आम जनता में भारी चिंता एवं अशांति उपजी है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु हमेशा अपनी दो-भाषा नीति पर अडिग रहा है, जो उसके शैक्षणिक और सामाजिक परिवेश में गहराई से निहित है।

उन्होंने दावा किया कि इसीलिए राज्य को राजभाषा अधिनियम, 1963' को लागू करने से छूट दी गई है, जैसा कि राजभाषा नियम, 1976 में उल्लेख किया गया है। यहां तक की त्रि-भाषा नीति का पालन करने वाले नवोदय विद्यालय जैसे केंद्रीय विद्यालय भी इसके विरोध के कारण तमिलनाडु में स्थापित नहीं किए जा सके हैं।

उन्होंने पत्र में कहा, इन सभी बातों से स्पष्ट है कि हमारी दो-भाषा नीति में कोई भी परिवर्तन हमारे राज्य और हमारे लोगों के लिए अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य ने 2024 में पत्र और ज्ञापन के माध्यम से एनईपी के अन्य विशिष्ट प्रावधानों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी, लेकिन कई अभ्यावेदन के बावजूद, 2024-25 के लिए एसएसए निधि जारी नहीं की गई।

द. रेल मंडल ने लोको पायलट के शीतल पेय, माउथवॉश इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे जोन के तिरुवनंतपुरम मंडल ने कुछ वस्तुओं के सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनकी वजह से श्वास परीक्षण के दौरान समस्याएं आती हैं और चालक दल की तैनाती व ट्रेनों का सुचारू संचालन प्रभावित होता है। अठारह फरवरी को मंडल की ओर से जारी विशेष परिपत्र में कहा गया है कि ड्यूटी शुरू होने से पहले और ड्यूटी के दौरान 'ब्रीथ एनालाइजर' द्वारा सांसों के परीक्षण के दौरान अल्कोहल की मात्रा बढ़ी हुई पाई जा रही है और इस तरह की अनुचित घटनाओं के लिए मुख्य रूप से चालक दल द्वारा होम्योपैथिक दवाओं, शीतल पेय, नारियल पानी, कफ सिरप, 'माउथवॉश' आदि का सेवन जिम्मेदार है।

परिपत्र में कहा गया है, सरकार के स्वामित्व वाली रासायनिक परीक्षक प्रयोगशाला में ऐसे मामलों में लिए गए रक्त के नमूनों का विश्लेषण करते समय, लगभग सभी रक्त नमूनों में अल्कोहल की मात्रा शून्य पाई गई। लेकिन सांस में अल्कोहल की मौजूदगी बहुत अधिक पाई जाती है जो सीधे चालक दल के कामकाज को प्रभावित करती है। इसलिए, ट्रेन संचालन से जुड़े सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया जाता है कि ड्यूटी शुरू होने से पहले और ड्यूटी के दौरान उपर्युक्त वस्तुओं का सेवन पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

साहित्यिक चोरी का मामला

ईडी ने फिल्म निर्देशक की 10 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि साहित्यिक चोरी और कॉपीराइट उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रही 2010 की फिल्म 'एंथिरन' के निर्देशक की 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति धन शोधन रोधी कानून के तहत कुर्क कर ली गई है। अधिकारियों के अनुसार, फिल्म निर्माण के दौरान साहित्यिक चोरी या कॉपीराइट उल्लंघन के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत देश में संपत्ति की यह संभवतः पहली कुर्की है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि पीएमएलए के तहत 1% फरवरी को एक अस्थायी आदेश जारी किया गया था, जिसमें निर्देशक एस शंकर की तीन अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया था। इन संपत्तियों का कुल मूल्य 10.11 करोड़ रुपये है। धन शोधन का मामला 19 मई 2011 को चेन्नई की एक अदालत में शंकर के खिलाफ 'जिगुबा' नामक कहानी के लेखक आरूर तमिलनाडुन द्वारा दायर की गई शिकायत से उत्पन्न हुआ है।

ईडी ने कहा कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शंकर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'एंथिरन' (रोबोट) की कहानी 'जिगुबा' से नकल की गई थी, जिसके चलते कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कुछ धाराओं के तहत उल्लंघन को लेकर शंकर उत्तरदायी हैं। ईडी ने बताया कि 'एंथिरन' 2010 में रिलीज हुई थी और इसमें रजनीकांत और ऐश्वर्या राय मुख्य भूमिका में थे। इसने दुनिया भर में 290 करोड़ रुपये की कमाई की और उस समय की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म थी।

पिछली केंद्र सरकारों ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा की : शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/आइजोल। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र की पिछली सरकारों ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा की है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार विकास के मामले में इस क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मिजोरम की दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचीं करंदलाजे ने कहा कि केंद्र की पिछली सरकारों के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों को धन आवंटन बहुत कम था। केंद्रीय मंत्री ने यहां प्रेसवार्ता में दावा किया, अतीत में पूर्वोत्तर आर्थिक रूप से कमजोर था, क्योंकि पिछली केंद्र सरकारों ने इस क्षेत्र पर ध्यान नहीं दिया। इस क्षेत्र को बहुत कम धनराशि आवंटित की गई।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के 10 वर्षों (2004 से 2014) के कार्यकाल में मिजोरम को कर में हिस्सेदारी केवल 4,734 करोड़ रुपये मिली, जो मोदी सरकार के 10 वर्षों के दौरान दिए गए कर हस्तांतरण की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि 2014-2024 तक के 10 वर्षों के दौरान मोदी सरकार ने मिजोरम को करों में 33,178 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी दी है, जो संप्रग शासन के दौरान कर हिस्सेदारी से 600 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि इस पहाड़ी राज्य के लिए राजग शासन के 10 वर्षों के दौरान अनुदान सहायता भी 94% बढ़ी है, जबकि संप्रग सरकार के 10 वर्षों के दौरान उसे 21,359 करोड़ रुपये दिए गए थे। नए वित्त वर्ष 2025-2026 के दौरान मिजोरम को केंद्रीय बजट में आवंटित 7,112.23 करोड़ रुपये की कर हिस्सेदारी राशि और 3,853 करोड़ रुपये अनुदान सहायता के रूप में प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि राजग सरकार पूर्वोत्तर को प्राथमिकता देती है और इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

बजट में कर आवंटन को लेकर द्रमुक झूठ बोल रही है : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। करूर जिले में आयोजित बजट प्रस्तुति जनसभा में, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने बड़ी संख्या में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु में राजनीतिक परिवर्तन की आशा है। पिछले दस वर्षों में हमारा देश विकास के पथ पर अग्रसर रहा है। कांग्रेस शासन के दौरान यह बजट 19 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अब 51 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस तथ्य से कि प्रति वर्ष 7 लाख रुपये तक की आय वालों के लिए कोई आयकर नहीं है, से लेकर इस तथ्य तक कि प्रति वर्ष 12 लाख रुपये तक की आय वालों के लिए कोई आयकर नहीं है, इससे मध्यम वर्ग को भारी बचत होगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान तमिलनाडु को दिया गया कर आवंटन 1,52,000 करोड़ रुपये था। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पिछले 11 वर्षों के दौरान तमिलनाडु को 6,14,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर आवंटन दिया गया है। लेकिन द्रमुक झूठ बोल रही है और कह रही है कि केंद्र सरकार ने धनराशि उपलब्ध नहीं कराई है। पिछले चार वर्षों में द्रमुक सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। लेकिन, हमारे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलती। सरकारी स्कूलों में कक्षा-कक्ष नहीं हैं। वहाँ शौचालय की कोई सुविधा नहीं है। वहाँ कोई परिधि दीवार नहीं है। स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश निर्वाचन क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में छात्र बिना कक्षा-कक्ष के पेड़ों के नीचे पढ़ते हैं। क्या द्रमुक, जो कहती है कि केंद्र सरकार ने किसी भी चीज के लिए धन उपलब्ध नहीं कराया, हमें बताएगी कि ये 1.5 लाख करोड़ रुपये कहां गए?

स्कूल शिक्षा मंत्री के बेटे सहित सभी द्रमुक के बच्चे निजी स्कूलों में तीन भाषाएं सीख सकते हैं। लेकिन क्या हमारे गरीब परिवारों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में तीन भाषाएं सीखने का अवसर नहीं मिलना चाहिए? वे झूठ बोल रहे हैं कि हमारे प्रधानमंत्री हिंदी थोप रहे हैं। इसका कारण यह है कि यदि हमारे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी तो उनके लिए पोस्टर लगाने वाला कोई नहीं होगा। भाजपा शासित प्रत्येक राज्य में माताओं को हर महीने धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। दिल्ली में भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि 2,500 रुपये है। जब 2026 में तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सत्ता में आएगा, तो हमारी प्रत्येक माँ को हर महीने 2,500 रुपये से अधिक दिए जाएंगे। यह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसकी गारंटी हैं।

इस मौके पर करूर जिला अध्यक्ष वी.वी. सेंथिलनाथन की अध्यक्षता और तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष के.पी. रामलिंगम, पूर्व विधायक चोलन पलानीस्वामी, जिला प्रशासक और तमिलनाडु भाजपा के समर्थकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

सैमसंग गतिरोध : कंपनी का कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तमिलनाडु सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग के श्रीपेरंबदूर संयंत्र में कामगारों के एक वर्ग ने बृहस्पतिवार को कंपनी के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया। कंपनी ने कहा कि ''उसकी किसी भी अवैध गतिविधि के लिए शून्य-सहिष्णुता की नीति है।'' कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों से अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अनुशासन बनाए रखने और कारोबार की स्थिति को ''सुगम बनाने'' का आग्रह किया।

कर्मचारियों का एक वर्ग पहले सीआईटीयू (सीटू) समर्थित सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन के तीन पदाधिकारियों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था और बृहस्पतिवार को उसने अपना आंदोलन तेज कर दिया। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी ने कहा, ''आज कर्मचारियों के एक खास वर्ग ने एक बार फिर अवैध रूप से परिचालन और औद्योगिक शांति को बाधित करने की कोशिश की।''

कंपनी ने कहा, ''सैमसंग में, हमारी प्राथमिकता सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर कार्यस्थल बनाए रखना है। आज कर्मचारियों के एक खास वर्ग ने एक बार फिर अवैध रूप से परिचालन और औद्योगिक शांति को बाधित करने की कोशिश की। हमारे पास कर्मचारियों द्वारा किसी भी अवैध गतिविधि के लिए शून्य-सहिष्णुता की नीति है जो औद्योगिक स्थिरता और कार्यस्थल पर शांति को बाधित करती है।'' कंपनी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''सभी कर्मचारियों के लिए कंपनी की नीतियों का पालन करना महत्वपूर्ण है और जो लोग इन नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ उचित प्रक्रिया के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। हमारा उत्पादन निर्बाध बना हुआ है, हम राज्य के अधिकारियों से अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अनुशासन बनाए रखने और कारोबार की स्थिति को सुगम करने का आग्रह करते हैं।''

सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन के तहत कर्मचारी पांच फरवरी से अपने तीन सहकर्मियों की बहाली की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं, जिन्हें प्रबंधन ने निलंबित कर दिया था। पिछले साल, सैमसंग इंडिया के कर्मचारी वेतन संशोधन सहित विभिन्न मांगों को लेकर एक महीने से अधिक समय तक हड़ताल पर रहे थे और बाद में तमिलनाडु सरकार के हस्तक्षेप के बाद इसे वापस ले लिया गया था।

मोदी से संबंधित टिप्पणी को लेकर आक्रोशित हुए अन्नामलाई ने उदयनिधि स्टालिन की चुनौती स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई और राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के बीच गेट आउट मोदी' टिप्पणी को लेकर राजनीतिक जुबानी जंग बृहस्पतिवार को भी जारी रही और अन्नामलाई ने स्टालिन को यहां अन्ना सलाई में दम दिखाने के लिए तारीख और समय बताने की चुनौती दी।

अन्नामलाई ने उपमुख्यमंत्री से कहा कि वह जगह का नाम अस्पष्ट रूप से बताने के बजाय ज्यादा सटीक जानकारी दें। तमिलनाडु के सलेम में उदयनिधि की चुनौती के बारे में पूछे जाने पर अन्नामलाई ने पत्रकारों से कहा, मुझे तारीख और समय बताइए, और मैं वहां अकेले आऊंगा। द्रमुक और पुलिस बल अगर मुझे रोकने की कोशिश कर सकती है तो करके दिखाए। इससे पहले दिन में यहां एक संवाददाता के सवाल का जवाब देते हुए उदयनिधि ने कहा कि अगर अन्नामलाई में हिम्मत है तो उन्हें अन्ना सलाई (जहां द्रमुक मुख्यालय स्थित है) आना चाहिए।

उदयनिधि ने कहा, उनसे आने को कहिए। सबसे पहले, अगर उनमें हिम्मत है तो वह अन्ना सलाई आएं। यह उदयनिधि और अन्नामलाई के बीच का मुद्दा नहीं है। अगर वह ऐसा कर सकते हैं तो उनसे तमिलनाडु के लिए फंड लाने के लिए कहा जाए। वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और त्रिभाषा नीति के मुद्दे से ध्यान भटका रहे हैं।

अन्नामलाई ने कहा, 'उदयनिधि ने चेन्नई में एक रैली को संबोधित करते हुए 'गेट आउट मोदी' शब्दों का इस्तेमाल किया था। हिम्मत है तो वह हमारे विश्व नेता के लिए एक बार फिर यह शब्द बोलकर दिखाएं। फिर मैं शुक्रवार को सुबह छह बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'गेट आउट स्टालिन' लिखूंगा। यह मुद्दा 18 फरवरी को शुरू हुआ जब उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और तीन भाषा नीति के खिलाफ द्रमुक की एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर केंद्र ने राज्य के अधिकारों को छीनने का कोई प्रयास किया तो जनता 'गेट आउट मोदी' अभियान शुरू करेगी।

उदयनिधि ने कहा था, पिछली बार जब आपने तमिलों के अधिकारों को छीनने का प्रयास किया था, तो लोगों ने 'मोदी वापस जाओ' अभियान चलाया था। यदि आप तमिलनाडु के लोगों के साथ फिर से ऐसा करने का प्रयास करेंगे, तो इस बार आपके खिलाफ 'गेट आउट मोदी' अभियान चलाया जाएगा।

कलपेट्टा अदालत में बम होने की सूचना से अफरा तफरी मची

वायनाड/भाषा। कलपेट्टा की एक परिवार अदालत में बृहस्पतिवार को बम रखे होने की सूचना से अफरा तफरी मच गई। हालांकि यह जानकारी बाद में फर्जी निकली। पुलिस ने बताया कि अदालत में बम रखे जाने का दावा करने वाला संदेश अदालत के आधिकारिक ईमेल पर प्राप्त हुआ था। अदालत के कर्मचारियों ने इसकी जानकारी तुरंत न्यायाधीश को दी, जिन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद, निरीक्षण के लिए बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते को तैनात किया गया। हालांकि, पुलिस ने बताया कि गहन तलाशी के बाद कोई विस्फोटक नहीं मिला।

थरूर के वामपंथी नीतियों की प्रशंसा करने के बीच सतीशन ने केरल के उद्यमिता संबंधी दावों को चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में वामपंथी शासन के तहत उद्यमशीलता के विकास पर कांग्रेस नेता शशि थरूर के लेख को लेकर चल रही बहस के बीच, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि नयी उद्यमिता पर राज्य सरकार का रुख बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए आंकड़ों पर आधारित है। सतीशन का बयान थरूर द्वारा यह दोहराए जाने के एक दिन बाद आया है कि उनका लेख मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के किसी दस्तावेज पर आधारित नहीं था बल्कि वैश्विक स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट और केंद्र की व्यापार करने में सुगमता रिपोर्ट पर आधारित था। थरूर के लेख में केरल में वाम मोर्चा सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों और स्टार्टअप कार्यक्रमों के लिए प्रशंसा की गई थी।

उन्होंने हालांकि यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य थरूर के बयान का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया। लेकिन तिरुवनंतपुरम के सांसद को अप्रत्यक्ष जवाब देते हुए सतीसन ने कहा कि केरल में वर्तमान में 3.55 लाख एमएसएमई हैं - यह संख्या मुख्य रूप से एमएसएमई परिभाषा में 2021 के संशोधन के कारण बढ़ी है, जिसमें इस श्रेणी के तहत थोक और खुदरा उद्यम शामिल हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश में 2020-21 में 65,174 एमएसएमई थे, जो अब बढ़कर 6.78 लाख

हो गए हैं। इसी तरह, कर्नाटक में एमएसएमई की संख्या 2020-21 में 1.52 लाख से बढ़कर 6.76 लाख हो गई। सतीशन ने कहा कि परिभाषा में परिवर्तन से सभी राज्यों के आंकड़े बदल गए हैं, तथा नाई की दुकानों और छोटी दुकानों जैसे व्यवसायों को एमएसएमई के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने कहा, सरकार वास्तव में इसके लिए किस श्रेय की हकदार है? अगर इस तरह के दावों पर सवाल नहीं उठाए गए तो स्थिति वैसी ही होगी जैसी कोविड-19 काल के दौरान हुई थी। कांग्रेस नेता ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर महामारी से निपटने में प्रभावी तरीके से काम करने का झूठा दावा करने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, उन्होंने (सरकार ने) एक कहानी गढ़ी कि उन्होंने कोविड-19 की स्थिति को प्रभावी ढंग से संभाला। हालांकि, चुनावों के बाद यह स्पष्ट हो गया कि केरल कोविड-19 से संबंधित मौतों के मामले में देश में महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर है, जिसकी आबादी केरल से तीन गुना अधिक है। वामपंथी सरकार की प्रशंसा करने वाले थरूर के लेख पर उठे विवाद का जिक्र करते हुए सतीशन ने कहा कि उनका थरूर के साथ बहस करने का कोई इरादा नहीं है। सतीशन ने कहा, मैं थरूर के साथ किसी विवाद या बहस में नहीं पड़ना चाहता। जब उन्होंने एक ऐसे मुद्दे पर सरकार का समर्थन करते हुए एक लेख लिखा जिस पर हम सक्रिय रूप से बहस कर रहे हैं, तो मैंने बताया कि उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े गलत थे - और बाद में यह सच साबित हुआ। एलडीएफ सरकार के तहत केरल के उद्यमिता विकास की प्रशंसा करते हुए एक अंग्रेजी दैनिक में थरूर के लेख ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। जहां उनकी पार्टी ने उनके दावों के आधार पर सवाल उठाए, वहीं माकपा ने उनका स्वागत किया। सतीशन ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य के रूप में, थरूर को सलाह देना या सुधारना पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व पर निर्भर है।

सतीशन ने कांग्रेस के भीतर दरार की खबरों को भी खारिज करते हुए कहा कि पार्टी हर मुद्दे पर एकजुट है।

पावरग्रिड POWERGRID

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र-II, आरएचक्यू, सिंगनायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-64
ईमेल आईडी : sr2rectt@powergrid.co.in, सीआईएन : L40101DL1989GOI038121

पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-II के तहत कर्नाटक एवं तमिलनाडु में टीबीसीबी परियोजना के लिए विद्युत और सिविल विषयों में फील्ड इंजीनियर (सीटीसी: लगभग 8.9 लाख रुपये) और फील्ड सुपरवाइजर (सीटीसी: लगभग 6.8 लाख रुपये) के रूप में संविदात्मक पदों के लिए अनुभवी पेशेवरों को आमंत्रित किया जाता है।
आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, चयन प्रक्रिया एवं नियुक्ति की शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.powergrid.in/sr-ii-recruitment (या) पावरग्रिड वेबसाइट के करियर सेक्शन (www.powergrid.in → करियर अनुभाग → नौकरी के अवसर → रिक्तियां → क्षेत्रीय रिक्तियां → दक्षिणी क्षेत्र-II, बैंगलोर भर्ती) पर जाएं।

पावरग्रिड में ऑनलाइन आवेदन करने की प्रारम्भिक तिथि	21.02.2025
पावरग्रिड में ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	06.03.2025

विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें एवं आवेदन करें।
पावरग्रिड एक महारत्न पीएसयू
SR-II/PR-15/2024-25/Rectt/Alaknanda

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की बौद्धिक व शारीरिक क्षमता के लिए कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े एवं केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने गुरूवार को अलवर के हल्दीना स्थित राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय परिसर में 61.75 करोड रूपये की लागत के द्वितीय चरण के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान नई शिक्षा नीति के आलोक में अपने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल, उपयोगी और अधतन करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आव्हान किया। उन्होंने महाराजा भर्तृहरि को याद करते हुए उनके लिखें हुए शतक और शिक्षाओं से प्रेरणा लेने पर जोर दिया। उन्होंने बेटियों से कहा कि निडर और बहादुर बनें।

उन्होंने कहा कि अन्याय जहां पर हो वहां सबको मजबूती से उसका विरोध कर सामाजिक मूल्यों को मजबूत करना चाहिए। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता विकास की आवश्यकता जताई।

मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शील सिन्धु पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के विकास कार्यों के बारे मे जानकारी दी।

सरकार ने किरोड़ी लाल मीणा का फोन 'टैप' नहीं किया : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा द्वारा उनका फोन टैप किए जाने के कथित आरोप पर जवाब देते हुए राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा कि मीणा का फोन इंटरसेप्ट (टैप) नहीं किया गया है। सरकार की ओर से गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सदन में यह जानकारी दी। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अगर ऐसा है तो सरकार को अपने मंत्री मीणा के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। विपक्षी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को व्यवस्था दी थी कि सरकार की ओर से इस मुद्दे पर बृहस्पतिवार को बयान दिया जाएगा। बेढम ने कहा, कुछ दिन पूर्व मीडिया के माध्यम से हमारे मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का एक बयान संज्ञान में आया। इसमें उनके मोबाइल फोन को सर्विलांस पर रखे जाने की बात है। विपक्ष ने इस बिंदु पर सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करने की बात की। जबकि स्वयं मीणा द्वारा इस बात का सार्वजनिक रूप से खंडन किया जा चुका है। उन्होंने कहा, मैं पूरी जिम्मेदारी से इस सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि वर्तमान सरकार द्वारा किरोड़ी लाल मीणा का फोन इंटरसेप्ट नहीं किया गया है।

उन्होंने फोन टैप इंटरसेप्ट किए जाने की वैधानिक प्रक्रिया की जानकारी भी सदन में दी। इस पर नेता प्रतिपक्ष जूली ने मंत्री के जवाब पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आपके जवाब से हम संतुष्ट हैं। बात यह आती है कि जब आपके कैबिनेट मंत्री मीणा ने आप पर आरोप लगाए हैं और आपने कहा कि फोन टैप नहीं कर रहे। तो आप उन पर कार्रवाई करेंगे या नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मेरा आग्रह है कि सरकार ने अगर किरोड़ी लाल मीणा का फोन टैप नहीं किया तो यह आरोप लगाने के लिए मीणा पर कार्रवाई करिए। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर बहिर्गमन करने की घोषणा की। जूली जब बोल रहे थे तभी सदन में हंगामा हो गया और दोनों ओर के विधायक बोलने लगे। अध्यक्ष देवनानी ने सदन में तख्ती लहराए जाने के लिए एक मंत्री पर नाराजगी जताई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इसके लिए खेद जताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फोन टैपिंग के मुद्दे को लेकर सदन की कार्यवाही बाधित करने वाली कांग्रेस अंतरकलह से जूझ रही है इनके पास कोई विजन नहीं है।

साइबर ठगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही हैं

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में साइबर ठगी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि नवाचारों और नई तकनीक के समावेश से साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जा रहा है तथा इसके साथ ही विशेष अभियान चलाए गए हैं। वह राज्य विधानसभा में इस बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। बेढम ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में साइबर अपराधियों पर कार्रवाई करने गई पुलिस को पीटने की घटनाएं सामने आई थीं, लेकिन अब सरकार ने साइबर अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके द्वारा साइबर ठगी से अर्जित की गई संपत्तियों को 'पीला पंजा' अभियान चलाकर तोड़ने की कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा कि कड़ी कार्रवाइयों के चलते साइबर अपराधी ठगी का धंधा छोड़ने पर मजबूर हुए हैं। प्रश्नकाल में उन्होंने कहा, देश में अलवर, डीग, भरतपुर, जयपुर तथा जोधपुर में सबसे अधिक साइबर अपराध अंकित किये गए हैं। इससे राज्य के अन्य जिले भी प्रभावित हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए न केवल साइबर थानों का गठन किया गया है, बल्कि राज्य भर में समय-समय पर विभिन्न अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गृह राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य में साइबर धोखाधड़ी और साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए राज्य स्तर पर पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक पुलिस (साइबर अपराध) तथा पुलिस अधीक्षक (साइबर अपराध) के पद स्वीकृत हैं तथा वर्तमान में दोनों अधिकारी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में कुल 36 साइबर थानों का गठन किया हुआ है तथा इन थानों में नियमित रूप से साइबर अपराध से संबंधित प्रकरणों को दर्ज कर प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है।

बाघिन की गतिविधियों के कारण रणथम्भौर में रास्ता बंद

भरतपुर। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास बाघिन टी 84 एरोहेड और उसके दो शावकों द्वारा सांभर का शिकार किये जाने के बाद वन विभाग ने गुरुवार को एहतियात के तौर पर श्रद्धालुओं के लिये गणेश मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया है। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बाघिन परिवार अभी शिकार के आसपास मौजूद है, ऐसे में विभाग द्वारा रणथंभौर दुर्ग की ओर जाने वाले पर्यटकों और त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं को गणेश धाम द्वार पर ही रोका जा रहा है। जब तक बाघिन परिवार इस क्षेत्र से दूसरी जगह नहीं चला जाता, तब तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। वन विभाग बाघिन और उसके शावकों की लगातार निगरानी कर रहा है। बाघिन एरोहेड और उसके शावकों की रणथंभौर दुर्ग में अक्सर गतिविधियां बनी रहती हैं। इससे पहले भी करीब चार-पांच बार बाघिन और उसके शावक इस क्षेत्र में पहुंच चुके हैं।

सरकार कर रही है सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गंभीरता के साथ प्रयास : बाघमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री डा मंजू बाघमार ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि जयपुर के भांखरोटा दुर्घटना में दोनों वाहन चालकों की लापरवाही से हादसा हुआ है लेकिन अन्य सेफगार्ड होने की दशा में यह दुर्घटना टाली जा सकती थी। सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस तरह की सड़क दुर्घटनाओं के प्रति संवेदनशील है तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा ज्वलनशील पदार्थ का परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए तथा इन वाहनों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मौजूद नियमों की भी समीक्षा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद कार्रवाई करते हुए इस सड़क पर मौजूद 33 अनाधिकृत कट में से 32 कटों को बंद कर दिया गया है। एनएचआई की एक अधिकारी को अन्यत्र स्थानान्तरित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दुर्घटनाओं को कम करने के लिए आगामी दस साल की कार्ययोजना भी बनाई गई है, जिसके तहत 2030 तक दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक कमी लाने तथा वर्ष 2033 तक दुर्घटनाओं में 75 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पूरी गंभीरता के साथ प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईटीएस प्रणाली को लागू किया जा रहा है। साथ ही वेब पोर्टल भी शुरू किया गया है। सुरक्षा ऑडिट को अनिवार्य किया गया है। दुर्घटना की दृष्टि से संवेदनशील प्वाइंट्स की पहचान कर यथोचित इंतजाम करने तथा ब्लैक स्पॉट्स को चिह्नित कर उनकी निगरानी और सुधार करने की निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इन प्रयासों का प्रभाव दिखाई देगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

इससे पहले विधायक गुरवीर सिंह के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सार्वजनिक निर्माण राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से भाँकरोटा अग्निकांड घटना की विस्तृत जांच के लिए जिला कलक्टर जयपुर द्वारा गत 20 दिसम्बर को संयुक्त जांच दल का गठन किया गया था।

उन्होंने कहा कि संयुक्त जांच दल द्वारा तथ्यात्मक रिपोर्ट 20 जनवरी को परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग को प्रेषित कर दी गई थी। उन्होंने तथ्यात्मक रिपोर्ट की प्रति सदन के पटल पर रखी। उन्होंने सड़क दुर्घटना कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं नवाचारों का विवरण भी सदन के पटल पर रखा।

संपर्क पोर्टल 2.0 को जल्द ही लाँच किया जाएगा : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों के जल्द से जल्द निस्तारण की समीक्षा के लिए राज्य के सभी सम्भागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर की वीसी के माध्यम से गुरूवार को बैठक ली। बैठक में उन्होंने जिलों के अधिकारियों से संपर्क पोर्टल की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि संपर्क पोर्टल 2.0 को जल्द ही लाँच किया जाएगा। संपर्क पोर्टल पर जयपुर और जोधपुर के परिवादों की संख्या बहुत ज्यादा है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हालांकि ये जिले काफी बड़े भी हैं इसीलिए इसमें परिवादों के अधिक होने की संभावना रहती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन परिवादों को निस्तारित कर इनकी संख्या में कमी लाने के प्रयास करें।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादों के समाधान से आमजन में संतुष्टि का स्तर बढ़ना चाहिए। समाधान होने पर परिवादी से फीडबैक लें कि समाधान धरातल पर हुआ या नहीं। जिन प्रकरणों में बजट सीमा या नियम के विरूद्ध होने के कारण परिवादी को राहत नहीं दी जा सकती, ऐसे मामलों में परिवादी को स्पष्ट सूचित किया जाए।

समाधान की समय सीमा भी कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। कोई भी परिवाद 6 महीने से ज्यादा समय तक पोर्टल पर पेंडिंग नहीं रहना चाहिए। निर्धारित समय सीमा का इंतजार न करते हुए पेंडिंग कार्य को जल्द से जल्द निपटाए ताकि समय पर आमजन को राहत मिले तथा जिले की रैंकिंग में सुधार हो। उन्होंने कहा कि जिले और विभाग के अधिकारी अपने परिवादों के निस्तारण के लिए समन्वय बढ़ाएं। निस्तारित परिवादों को पोर्टल पर फोटो के साथ अपलोड करने की व्यवस्था भी करें जिससे उसकी प्रमाणिकता बढेगी। सुधांश पंत ने ऐसे विभाग जिससे जनता के रोजमर्रा जीवन प्रभावित होते हैं जैसे जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, मेडिकल, राशन और वित्त के परिवादों को साप्ताहिक और प्रमुखता से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए।

अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता के माध्यम से किया जाए लाभान्वित : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के दौरान राज्य में सहकारी आन्दोलन को अधिक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता बढ़नी चाहिए ताकि लोगों का विश्वास सहकारिता में कायम रहे।

सहकारिता मंत्री गुरुवार को नेहरू सहकार भवन में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष से संबंधित प्रदेश की वार्षिक कार्ययोजना एवं कैलेण्डर के विमोचन के बाद राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रदेश भर से सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारी वीडियो कॉफ्रेंस से माध्यम से शामिल हुए।

दक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, लेकिन देश में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में वर्ष 2021 से ही कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत 54 पहलों के माध्यम से देश में सहकारी सेक्टर सशक्त हो रहा है। जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत हो, इसके लिए सभी को अपनी भूमिका समझते हुए कर्तव्यों का जिम्मेदारी से निर्वहन करना होगा। दक ने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता सेक्टर को प्राथमिकता दे रही है। राज्य बजट में सहकारिता से संबंधित कई ऐतिहासिक घोषणाएं की गई हैं, जिनसे प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट मे ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण का दायरा बढ़ाते हुए 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरित करने की घोषणा की गई है। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना का भी दायरा बढ़ाकर 2.50 लाख गोपालक परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण देने की घोषणा की गई है। दक ने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप आगामी 2 वर्षों में 2,500 नई ग्राम सेवा सहकारी समितियां खुलने से प्रदेश में सहकारिता का मजबूत नेटवर्क स्थापित होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को मजबूती देने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारी समझनी होगी। सभी कार्मिक संकल्प लें कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान ज्यादा उत्साह के साथ काम करते हुए सहकारी आन्दोलन को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के दरवाजे सभी लोगों के लिए खुले होने चाहिए। दक ने नवाचार करने और सहकारी समितियों द्वारा किये जा रहे कार्यों का दायरा बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही, नये को-ऑपरेटिव कोड के माध्यम से खामियों को दूर करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त रजिस्ट्रार इन्दर सिंह, संजय पाठक, भोमाराम एवं संदीप खण्डेलवाल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

मौताणा विवाद में 37 आरोपी हुए नामजद, अब तक सात गिरफ्तार

सिरोही। सिरोही जिले के आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के धमासरा ग्राम पंचायत में मौताणा विवाद को लेकर हिंसा भड़क उठी। पुलिस ने मामले में 37 आरोपियों को नामजद किया है, जिनमें से 7 को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है। गत मंगलवार को आरोपियों ने पीड़ित पक्ष के घर पर हमला कर भारी तोड़फोड़ और लूटपाट की। इसके बाद उन्होंने घरों को आग के हवाले कर दिया और मौके से फरार हो गए।

14 जनवरी 2025 को आबूरोड के रोडवेज बस स्टैंड के पास रंजिश के चलते चार युवकों ने कालूराम गरासिया की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद मौताणा (मुआवजा) देने की सहमति बनी थी, लेकिन एक माह बाद भी पीड़ित परिवार को राशि नहीं मिली। इसके चलते आक्रोशित पक्ष ने मंगलवार को हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया।

हमलावरों को देखकर पीड़ित परिवार के लोग घर छोड़कर भाग गए। करीब दो घंटे तक उपद्रवियों ने तोड़फोड़ और लूटपाट मचाई। हमलावरों ने 15 बकरे चुरा लिए, जिनमें से दो को मौके पर ही काट दिया।

पांच पक्के मकानों में से दो को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि तीन में तोड़फोड़ की गई। पांच झोपड़ियों में से तीन को जला दिया गया। इसके अलावा, हमलावरों ने सोने-चांदी के आभूषण, दो लाख रुपये नकद, दो बाइक, एक साइकिल और एक टीवी को तोड़ दिया। घरों में रखी 15 बोरी गेहूं भी नष्ट कर दी गई। पुलिस ने अब तक सात आरोपी बंकाराम, गोवाराम, मोनाराम, जोगाराम, दिनेश, पप्पुराम और चमन को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बधाई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने श्रीमती रेखा गुप्ता को पुष्प गुच्छ भेंट कर दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगी।

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के सदस्यों ने सदन से किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में गुरुवार को कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा के फोन टैप मामले में राज्य सरकार के जवाब के बाद विपक्ष के सदस्यों ने सदन का बहिर्गमन किया। राज्य के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने इस मामले में सदन में जवाब देते हुए कहा कि डा मीणा सहित किसी का भी कोई फोन टैप नहीं किया गया है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि वे सरकार के जवाब से संतुष्ट हैं लेकिन बात यह है कि एक कैबीनेट मंत्री ने फोन टैप की बात की और सरकार कह रही है कि फोन टैप नहीं हुआ तो ऐसे में क्या सरकार उन पर कोई कार्यवाही करेगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष ने डा मीणा को नोटस भी दिया और नोटिस के जवाब में डा मीणा ने उनके फोन टैप होने के बारे में नकारा नहीं हैं और कहा है कि उन्हें ऐसी बातें सार्वजनिक स्थल पर नहीं कहनी चाहिए। इस दौरान एक मंत्री ने सदन में तख्ती लहरा दी, इस पर जूली ने कहा कि सरकार का मंत्री ही सदन में तख्ती लहरा रहे हैं, यह किस नियम में है, इस पर कुछ देर के लिए जोरदार शोर शराब एवं हंगामा हुआ। इस बीच जूली ने कहा कि सरकार ने जवाब दे दिया है तो डा मीणा पर करे कार्रवाई, फिर डा मीणा का इस्तीफा क्यों नहीं स्वीकार करते।

इसके बाद विपक्ष के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गये। इससे पहले जूली ने कहा कि राज्यपाल अभिभाषण पर उन्हें बोलने नहीं दिया गया तब विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि वह चाहते थे कि वह बोले और इसके लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर इसके प्रयास भी किए गए लेकिन इसके लिए वह आगे नहीं आये। इस बीच सत्ता पक्ष के श्रीचंद कृपलानी बोलने लगे। इस पर देवनानी ने उन्हें टोका। इस बीच एक मंत्री सदन में तख्ती दिखाने लगे तब अध्यक्ष ने कहा कि जब कोई मंत्री इस तरह का आचरण करे तो बड़ी पीड़ा होती हैं। इस पर जूली ने कहा कि सरकार का मंत्री सदन में तख्ती लेकर आ रहा हैं। विपक्ष के बहिर्गमन के बाद संसदीय राज्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्री के तख्ती दिखाने के मामले में कहा कि वे सदन से माफी चाहते हैं।

नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति धनखड़ से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीर साझा की। पोस्ट में कहा गया, भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। कुमार ने हाल ही में 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने राजीव कुमार का स्थान लिया है, जिन्होंने कार्यकाल खत्म होने के बाद मंगलवार को पद छोड़ दिया था। निर्वाचन आयोग ने भी राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति धनखड़ के साथ कुमार की मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं।

निवेश चाहिये तो भाजपा को मुसलमानों से नफरत भूलनी पड़ेगी : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर उर्दू को लेकर उनके बयान की आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह पहली सरकार है जो उर्दू शब्दों का इस्तेमाल करके ही उर्दू का विरोध कर रही है। यादव ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अगर निवेश चाहती है तो उसे मुसलमानों के खिलाफ नफरत भूलनी पड़ेगी।

यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में उर्दू को लेकर मुख्यमंत्री श्रेा मंगलवार को दिये गये बयान का जिक्र करते हुए कहा, ''कुछ लोगों ने तो उर्दू का विरोध भी उर्दू में ही किया। यह पहली सरकार है जो उर्दू का विरोध उर्दू में कर रही थी। उन्होंने (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने) अपने भाषण में उर्दू के अनेक शब्द बोले जिनमें बदनाम, बख्शा नहीं जाएगा, पैदा, गुनहगार, मौत, तमाम, हादसा, जान, बस्ती, तबके, पायदान, अगर, सरकार, दुनिया शब्दों का प्रयोग किया। क्या यह उर्दू शब्द नहीं हैं?'' उन्होंने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना श्रेा आज विधानसभा में प्रस्तुत बजट का जिक्र करते हुए कहा, ''इनका बजट भाषण बिना उर्दू के पूरा ही नहीं हुआ है। लगता है कि वित्त मंत्री ने गोपनीयता बनाने के लिए मुख्यमंत्री जी को भी बजट नहीं दिखाया। अगर मुख्यमंत्री जी को दिखा दिया होता तो शायद वित्त मंत्री जी यह शेर नहीं पढ़ पाते कि, 'जिस दिन से चला हूं, मेरी मंजिल पर नजर है।''

कांग्रेस यूसीसी पर भ्रम फैला रही है : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर हाल में लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वह भीमराव अंबेडकर के संविधान में विश्वास नहीं रखती और महिलाओं पर अत्याचारों का समर्थन करती है। यूसीसी के तहत सहवासी (लिव-इन) संबंधों के अनिवार्य पंजीकरण वाले प्रावधान को लेकर कांग्रेस के विरोध के बारे में संवाददाताओं श्रेा पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा सहवासी संबंध में रहने वाले युगलों की सुरक्षा के लिए किया गया है । कांग्रेस यूसीसी के इस प्रावधान का जोर-शोर से विरोध कर रही है और उसका मानना है कि यह लोगों के निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है । कांग्रेस का यह भी कहना है कि यह प्रावधान सहवासी संबंध को मान्यता देता है जो प्रदेश की संस्कृति के खिलाफ है । धामी ने कहा कि सहवासी संबंधों का अनिवार्य पंजीकरण होने से इस बारे में युगलों के माता-पिता और प्रशासन को जानकारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अनेक मामलों में संबंध बिगड़ जाते हैं और हिंसक घटनाएं, यहां तक कि हत्याएं भी हो जाती हैं। कुछ वर्ष पहले दिल्ली में श्रद्धा वाल्कर नाम की महिला की उसके 'लिव-इन' पार्टनर आफताब श्रेा हत्या कर शव को टुकड़ों में काट कर फ्रिज में रखे जाने की घटना का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सहवासी संबंधों का अनिवार्य पंजीकरण और प्रशासन के पास इसकी सूचना होने से ऐसी घटनाओं से सुरक्षा हो सकेगी ।

उप्र का 2025-26 का बजट 'वंचित को वरीयता' की मूल्य भावना पर आधारित : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को वित्त वर्ष 2025-26 के बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट सनातन संस्कृति की 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा के अनुरूप गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और महिला उत्थान को समर्पित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार का बजट 'वंचित को वरीयता' की मूल भावना पर आधारित है।

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8,08,736 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में आदित्यनाथ ने बजट की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2025-26 का यह बजट सनातन संस्कृति की 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा के अनुरूप गरीब, अन्नदाता किसान, युवा और महिला उत्थान को समर्पित है। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करते हुए 'वंचित को वरीयता इस बजट का केंद्रीय भाव है।' 2025 का बहुत महत्व है, जो भारतीय संविधान के कार्यान्वयन और जनवरी, 1950 में उत्तर प्रदेश की स्थापना के अमृत महोत्सव दोनों को चिह्नित करता है। उन्होंने कहा, ''शानदार 75 साल की यात्रा के साथ, यह एक महत्वपूर्ण बजट है जो राज्य के भविष्य की रूपरेखा तैयार करता है और अगले 25 वर्षों की योजनाओं का आधार तैयार करता है।'' मुख्यमंत्री ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि दी और उनके सम्मान में सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''इस अवसर पर मैं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनके नाम पर हमारी डबल इंजन सरकार लखनऊ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना कर रही है। यह केंद्र बहुत शीघ्र बाबा साहब के विचारों का केंद्र बनकर संविधान की मूल भावना के अनुरूप वंचितों को वरीयता देने के क्रम को आगे बढ़ाएगा।''

केजरीवाल को हराकर बड़ा उलटफेर करने वाले प्रवेश वर्मा दिल्ली मंत्रिमंडल में हैं भाजपा का जाट चेहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2014 में पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर राष्ट्रीय राजनीति में उभरे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रवेश वर्मा का राजनीतिक कद तीन बार मुख्यमंत्री रहे 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल को दिल्ली विधानसभा चुनाव में हराने के बाद काफी बढ़ गया।

पांच फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रवेश वर्मा (47) पार्टी का प्रमुख जाट चेहरा थे और उन्हें मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अंततः यह पद पहली बार विधायक बनीं रेखा गुप्ता को मिला। वर्मा को रेखा गुप्ता की अगुवाई वाली दिल्ली सरकार में मंत्री बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा की छवि तेजतर्रार नेता की रही है, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वयं को नई दिल्ली विस सीट पर केजरीवाल का प्रतिद्वंद्वी घोषित किया था। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल 3 बार से नई दिल्ली विस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। विस चुनाव की संभवतः सबसे बड़ी चुनौती के लिए खुद को तैयार करके प्रवेश वर्मा ने वही किया, जो केजरीवाल ने 2013 में किया था। आप के प्रमुख केजरीवाल 2013 के विस चुनाव में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकीं शीला दीक्षित के खिलाफ नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतर गये थे और उन्हें हराकर पहली बार दिल्ली का मुख्यमंत्री बने थे। प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को 4,000 मतों के अंतर से हराया। वर्मा को 2014 और 2019 में पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट पर रिकॉर्ड अंतर से जीतने का गौरव प्राप्त है।

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री शीला दीक्षित और सुषमा स्वराज से 'कोसों दूर' : घोष

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राजधानी की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित और सुषमा स्वराज से 'कोसों दूर' हैं।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता घोष ने आरोप लगाया कि यह ''नई भाजपा है जहां निंदनीय तरीके से गाली गलौज और कटुता सामान्य बात हो गई है।'' उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता श्रेा अतीत में इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा और असभ्यता से संबंधित पोस्ट सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जो परेशान कर देने वाली हैं। वह कड़ी मेहनत करने वाली और शालीन शीला दीक्षित तथा प्रखर वक्ता और सांसद सुषमा स्वराज से कोसों दूर है।'' तृणमूल के एक अन्य सांसद साकेत गोखले ने कहा, ''आज विडंबना यह है कि नफरत फैलाने वाले और दिल्ली में 2020 के दंगों में भीड़ को उकसाने वाले कपिल मिश्रा को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। वहीं, उमर खालिद को बिना किसी सबूत के, बिना किसी मुकदमे के 4.5 साल से अधिक समय जेल में बिताना पड़ा। '' गोखले ने कहा, ''काश हमारी अदालतें यूट्यूबर्स और 'अश्लीलता' के बजाय अभद्र भाषा पर गौर करतीं।''

पंडों-पुजारियों की पोथियों में लिखी कई पीढ़ियों की जानकारी को डिजिटल स्वरूप देने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों में वंशावली पुजारियों के पास उपलब्ध अनेक पीढ़ियों के अभिलेखों को डिजिटल स्वरूप प्रदान करने की परियोजना की परिकल्पना की है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक संकलनों का उपयोग करना तथा उन्हें सांस्कृतिक विरासत के रूप में संरक्षित करना है। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) ने इन पुजारियों से संपर्क किया है और यह परियोजना मध्य प्रदेश के उज्जैन से शुरू होगी। एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने यहां अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद की दक्षिण और पश्चिम एशियाई क्षेत्रीय शाखा की बैठक के उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में कहा।

भारत लंबे समय के बाद उक्त संस्था की बैठक की मेजबानी कर रहा है। वह इस समय पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) के इस क्षेत्रीय निकाय के कोषाध्यक्ष के पद पर है। सिंघल ने अपने संबोधन में पिछले साल शुरू हुई अपनी परियोजना के हिस्से के रूप में दो साल की अवधि में 30 करोड़ पृष्ठों को डिजिटल स्वरूप प्रदान करने के एनएआई के 'महत्वाकांक्षी कार्यक्रम' से संबंधित कुछ विवरण और आंकड़े भी साझा किए। एनएआई महानिदेशक ने कहा, ''इस परियोजना को शुरू करने से पहले, हमारा पोर्टल, 'अभिलेख पटल' लगभग एक करोड़ पृष्ठ प्रदर्शित कर रहा था। पिछले 7-8 महीने में, यह संख्या एक करोड़ से बढ़कर 8.4 करोड़ पृष्ठ हो गई है। हर दिन, हम लगभग चार लाख पृष्ठों को स्कैन कर रहे हैं। यह प्रक्रिया अच्छी तरह चल रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही 10 करोड़ पृष्ठ पूरे कर लेंगे, शायद अप्रैल के अंत तक।''

सिंघल ने कहा, ''भारत में, यदि आप गया, काशी, इलाहाबाद (अब प्रयागराज), बद्रीनाथ, केदारनाथ, जगन्नाथ पुरी, श्रेरका जाते हैं, तो वहां पुजारी होते हैं जो हर तीर्थयात्री की हर यात्रा का विवरण दस्तावेजों में दर्ज करते हैं। ये दस्तावेज उनके पास उपलब्ध होते हैं।

रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में 11,000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बृहस्पतिवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के मैच के दौरान वनडे में 11,000 रन पूरे करके हमवतन विराट कोहली के बाद दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। रोहित 50 ओवर के प्रारूप में यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय और कुल 10वें बल्लेबाज हैं।

भारतीय कप्तान ने ग्रुप ए के मैच में 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे ओवर में मुस्तफिजुर रहमान की गेंद पर मिड-ऑन पर चौका लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने अपने 270वें मैच में यह मुकाम हासिल किया और पारी के लिहाज से वह कोहली के बाद 11,000 रन पार करने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं। कोहली ने 222 पारियों में 11,000 रन का आंकड़ा पार किया था जबकि रोहित ने 261 पारियों में इतने रन बनाए हैं। इस सूची में उनके बाद महान सचिन तेंदुलकर (276 पारी), रिकी पोंटिंग (286) और सौरव गांगुली (288) का नंबर आता है। रोहित अब वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली (11,363 रन) से पीछे हैं जबकि तेंदुलकर 463 मैचों में 18,246 रन के साथ शीर्ष स्थान पर कायम हैं। कोहली ने अपने 299 वनडे मैच में 13,963 रन बनाए हैं। वनडे में सर्वाधिक रन जुटाने के मामले में श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा 404 मैचों में 14,234 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस प्रारूप में शीर्ष क्रम में सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक रोहित सबसे अधिक छक्के लगाने की सूची में भी 338 छक्कों के साथ पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (351) से पीछे दूसरे स्थान पर हैं।

गुजरात सरकार ने 2025-26 के लिए 3.70 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बृहस्पतिवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3.70 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें 148 करोड़ रुपए की कर राहत दी गई है। राज्य विधानसभा में पेश किए गए बजट में कोई नया कर प्रस्तावित नहीं है।

देसाई ने सदन को बताया कि 2025-26 के लिए 3,70,250 करोड़ रुपए का बजट परिव्यय पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 37,785 करोड़ रुपए या 11.3 प्रतिशत अधिक है। राज्य सरकार ने बंधक विलेखों पर स्टाम्प शुल्क में कमी और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर मोटर वाहन कर के रूप में 148 करोड़ रुपए की कर राहत का प्रस्ताव रखा। देसाई ने अपने बजट भाषण में कई नई योजनाओं की घोषणा की और कहा कि बजट पांच स्तंभों - सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचे का विकास, हरित वृद्धि और आर्थिक गतिविधियों के विकास पर आधारित है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए 'विकसित गुजरात 2047' का मसौदा तैयार किया है। उन्होंने कहा, इसके लिए, मैं अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपए के 'विकसित गुजरात कोष' का प्रस्ताव करता हूं। मैं बजट में इसके तहत 5,000 करोड़ रुपए के आवंटन का प्रस्ताव करता हूं।

अरुणाचल प्रदेश के विकास के लिए क्रांतिकारी साबित होगी 'फ्रंटियर हाइवे' परियोजना : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि करोड़ों रुपए की लागत वाली 'फ्रंटियर हाइवे' परियोजना अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए क्रांतिकारी साबित होगी।

रीजीजू ने यहां राज्य के 39वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश में ''किसी एक परियोजना के लिए केंद्र श्रेा किया गया अब तक का सबसे अधिक आवंटन है।'' उन्होंने कहा, ''फ्रंटियर हाईवे भारत के इतिहास की सबसे बड़ी सड़क परियोजना होगी। यह करीब 1,400 किलोमीटर लंबी होगी और इस पर करीब 42,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे राज्य के सीमावर्ती इलाकों की तस्वीर बदलने जा रही है।'' केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने हालांकि मुआवजा संबंधी मुद्दों के कारण संभावित बाधाओं को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''लोगों से मेरी अपील है कि कृपया मुआवजा पाने के लिए बिल को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की कोशिश न करें। बाधाएं न डालें। अगर जमीन का मुद्दा उठता है, तो इससे परियोजनाओं में देरी होगी।'' उन्होंने 'ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर' का हवाला दिया जिसे मुआवजा और वन मंजूरी आदि के कारण देरी का सामना करना पड़ रहा है। यह कॉरिडोर औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में भी जाना जाता है।

नई सरकार के गठन पर चर्चा के लिए भाजपा विधायकों की बैठक बुलाई जाएगी : खेमचंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इम्फाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मंत्री युमनाम खेमचंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में नई सरकार के गठन से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की बैठक बुलाई जाएगी।

पूर्व नगर प्रशासन, आवास एवं शहरी विकास मंत्री खेमचंद ने भाजपा विधायकों के बीच अलग-अलग गुटों के अस्तित्व और एक नई क्षेत्रीय पार्टी के गठन की संभावना के दावों को भी खारिज कर दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ए शारदा से मुलाकात के बाद पत्रकारों से उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद विधायकों की कोई बैठक नहीं हुई है। पहले जब हमारे पास विधायक दल का नेता होता था, तो हम एक साथ बैठकर मुद्दों पर चर्चा करते थे। उनके इस्तीफे के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ही हमारे नेता हैं। जल्द ही पार्टी विधायकों की बैठक बुलाई जाएगी।'' खेमचंद ने कहा, ''बैठक के दौरान हम नई सरकार के गठन से संबंधित मामलों पर चर्चा करेंगे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या सात कुकी भाजपा विधायक बैठक में शामिल होंगे, खेमचंद ने कहा कि इसकी संभावना नहीं है, क्योंकि जातीय संघर्ष से उत्पन्न मौजूदा स्थिति के कारण वे इंफाल नहीं पहुंच पाएंगे।

शाह ने पूर्वोत्तर के उग्रवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की, कहा: क्षेत्र शांति और विकास चाहता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के उग्रवादियों से हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और कहा कि भारत की विकास यात्रा में उनकी भागीदारी का स्वागत है। असम राइफल्स द्वारा यहां 'यूनिटी उत्सव - वन वॉयस, वन नेशन' में भाग लेते हुए शाह ने कहा कि हर कोई जानता है कि पूर्वोत्तर शांति और विकास चाहता है और यह क्षेत्र देश के अभिन्न अंग के रूप में काम करना चाहता है।

उन्होंने कहा, ''मैं उन सभी उग्रवादियों से अपील करता हूं, जिन्होंने अभी तक आत्मसमर्पण नहीं किया है, वे हथियार डाल दें और मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। भारत की विकास यात्रा में आपकी भागीदारी का स्वागत है। गृह मंत्री ने कहा कि पांच वर्षों में पूर्वोत्तर में हिंसा में 70% की कमी आई है, सुरक्षा बलों के हताहत होने की संख्या में 70% और नागरिकों की मृत्यु में 85% की कमी आई है। पिछले पांच वर्षों में 10,000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते किए गए हैं और राज्यों के बीच दो सीमा समझौते भी किए गए हैं। पूर्वोत्तर शांति चाहता है, पूर्वोत्तर विकास चाहता है, पूर्वोत्तर भारत के अभिन्न अंग के रूप में काम करना चाहता है।''

सुविचार

आप अपने शब्दों को चाहे जितनी भी समझदारी से बोलिए लेकिन सुनने वाला अपनी योग्यता और अपने मन के विचारों के अनुसार ही उसका मतलब निकालता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य से खिलवाड़ कब तक?

झारखंड सरकार ने राज्य में गुटखा और पान मसाले की बिक्री, भंडारण एवं सेवन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला कर नशाखोरी पर प्रहार किया है। हालांकि इस फैसले को लागू करते समय 'दूसरे पहलू' को भी ध्यान में रखना चाहिए। नशाखोरी को रोकना, हतोत्साहित करना बहुत अच्छी पहल है। यह उसी सूरत में कामयाब हो सकती है, जब प्रतिबंध लगाने के बाद सरकारें खूब सतर्कता से काम करें। प्राय: जहां शराबबंदी लागू की जाती है, वहां स्थानीय प्रशासन की सुस्ती और कुछ कर्मचारियों के भ्रष्टाचार के कारण अवैध शराब का धंधा जोर पकड़ने लगता है। इसी तरह गुटखा और पान मसाले के भी कई विकल्प मुहैया कराने वाले लोग सक्रिय हो सकते हैं। गुटखे की लत लगना अन्य मादक पदार्थों की तुलना में कम हानिकारक नहीं है। जो लोग इसके आदी हो जाते हैं, उन्हें यह समय पर न मिले तो वे सुस्ती महसूस करने लगते हैं। कई किशोर और नौजवान सिर्फ इस वजह से गुटखा खाने लगे, क्योंकि उन पर दोस्तों का दबाव था। अगर किसी मित्र मंडली में पांच बच्चे गुटखा खाएं और एक न खाए तो सब उसका मजाक उड़ाने लगते हैं। गुटखा और पान मसाले का बढ़ता चलन सिर्फ झारखंड की समस्या नहीं है। कई राज्यों में लोगों को इन पदार्थों की लत लग चुकी है। इनकी वजह से घरों में झगड़े होते हैं। जहां पिता, चाचा, ताऊ और दादा नशाखोरी करते हैं, वहां छोटे बच्चे इसकी ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। राजस्थान के कई गांवों में गुटखे का नशा बहुत ज्यादा फैल चुका है। पहले, पुरुष ही गुटखा खाते थे। अब वहां कई महिलाओं को गुटखे की लत लग गई है।

गुटखा खाने वालों ने इसके पक्ष में बहुत कुतर्क गढ़ रखे हैं- 'इससे पाचन दुरुस्त रहता है, मन हल्का रहता है, कामकाज में फुर्ती आती है!' ये सभी भ्रांतियां हैं। गुटखा एक धीमे जहर की तरह है, जो मुंह के कैंसर समेत कई बीमारियां दे सकता है। जो लोग नियमित गुटखा खाते हैं, उनके दांत खराब हो जाते हैं। रही बात पाचन दुरुस्त करने, मन हल्का रखने और कामकाज में फुर्ती लाने की तो नियमित व्यायाम-प्राणायाम करें, संतुलित और सात्विक भोजन करें, ऋतु के अनुकूल दिनचर्या अपनाएं, एकाग्रचित्त होकर काम करें। इतना कर लेंगे तो गुटखा खाने की नौबत ही नहीं आएगी। लोग यह कहते मिल जाते हैं कि उनके पास धन नहीं था, अन्यथा वे कोई कारोबार करते, कोई हुनर सीखते, उच्च शिक्षा प्राप्त करते। आश्चर्यजनक रूप से उनमें ऐसे लोग भी मिल जाते हैं, जो गुटखा, पान मसाला आदि का नशा करते हैं। अगर वे गुटखे की मात्रा का प्रति किग्रा के आधार पर हिसाब लगाएं तो पता चलेगा कि यह बहुत महंगा नशा है। गुटखा और पान मसाला ही नहीं, खैनी, बीड़ी, सिगरेट समेत आम दुकानों पर मिलने वाली सभी नशीली चीजें बहुत महंगी हैं। कोई अक्लमंद व्यक्ति इन पर खर्च होने वाली राशि को सही जगह निवेश करे या अपना कामकाज शुरू कर दे तो कुछ ही वर्षों में बहुत अच्छी स्थिति में पहुंच सकता है। जब साल 2020 में कोरोना लॉकडाउन लगा था तो लोगों ने पांच रुपए का गुटखा चौगुनी कीमत पर भी खरीद कर खाया था। भले ही परिवार में आर्थिक तंगी रही हो, लेकिन गुटखा बराबर खाएंगे! समाज में इस पदार्थ का इतना प्रसार हो चुका है कि अब कई जगह इसे नशा ही नहीं माना जाता। लोग कहते हैं, 'उनका लड़का बहुत अच्छा है ... सिगरेट, शराब को तो हाथ भी नहीं लगाता। सिर्फ गुटखा खाता है!' गांवों में कई बुजुर्ग 'आजकल के लड़कों' की आदतों और व्यवहार की निंदा करते हैं। वे कहते हैं कि 'लड़के बिगड़ गए, पहले छिपकर गुटखा खाते थे, अब सामने खाने लगे हैं, शर्म तो रही ही नहीं!' यह अलग बात है कि उन बुजुर्गों में से कई लोग हुक्का, चिलम, बीड़ी और खैनी के शौकीन हैं! अच्छी आदतों का संदेश बड़ों के जीवन से आना चाहिए। सरकारें क्रमबद्ध ढंग से हर तरह के नशे पर रोक लगाएं। देश के नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं मिलनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

समृद्ध जैव विविधता, हरे-भरे वनों एवं सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध मिजोरम राज्य के स्थापना दिवस पर मिजोरमवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नैसर्गिक संपदा से परिपूर्ण यह राज्य प्रगति के नए प्रतिमान गढ़े, प्रभु से यही प्रार्थना है।

-भजनलाल शर्मा

गत रात्रि नाहरगढ़ रोड स्थित पुरानी बस्ती में श्री शिवराम वाल्मीकि के पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद वहां से लौटते समय पड़ोस में दुकान चलाने वाले श्री विजय सिंह गुर्जर ने स्नेहपूर्वक गाड़ी रुकवाई एवं अपनी दुकान पर आने का निवेदन किया।

-अशोक गहलोत

राजस्थान के बीकानेर निवासी, नेशनल पावरलिफ्टर यष्टिका आचार्य की प्रैक्टिस के दौरान निधन का समाचार अत्यंत दुखद हैं । ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सफलता का संकल्प

वर्ष 1912 के ओलंपिक खेलों की बात है, जहां जिम थार्प, जो ओक्लाहोमा के एक मूल अमेरिकी थे, अमेरिका का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। जिस दिन उनकी प्रतियोगिता होनी थी, किसी ने उनके जूते चुरा लिए। लेकिन जिम ने हार नहीं मानी। उन्होंने कूड़ेदान में से दो जूते खोजे और वही पहन लिए। इनमें से एक जूता बड़ा था, इसलिए उन्हें अतिरिक्त मोज़ा पहनना पड़ा। इन असमान जूतों को पहनकर भी, जिम ने उस दिन दो स्वर्ण पदक जीते।

घटना हमें याद दिलाती है कि हमें अपने जीवन की परेशानियों को बहाना नहीं बनने देना चाहिए। क्या हुआ अगर ज़िंदगी हमेशा न्यायपूर्ण नहीं रही? आज आप इसके बारे में क्या करने वाले हैं? चाहे सुबह उठते ही आपको कोई कठिनाई मिली होचोरी हुए सामान, खराब सेहत, असफल रिश्ते, या कोई डूबा हुआ व्यापारइन्हें अपने सफर में बाधा मत बनने दें। आपके पास या तो बहाने हो सकते हैं, या फिर परिणाम, लेकिन दोनों एक साथ नहीं।

सामयिक

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है।

मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपराओं, जीवनमूल्यों और इतिहास को संजोने का एक सशक्त साधन है। यह समाज, संस्कृति एवं राष्ट्र के लिए पहचान का महत्वपूर्ण साधन होती है। शोध बताते हैं कि बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर अधिक अच्छी तरह से समझ विकसित करते हैं, वहीं आमजन के लिये संवाद एवं व्यवहार का प्रभावी माध्यम भी यही है। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता और रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

यूनेस्को ने मातृभाषा के महत्व को समझते हुए मातृभाषा के संरक्षण और बहुभाषी शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 1999 में की और 2000 से इसकी शुरुआत की। इस वर्ष 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए इसकी थीम भाषा का महत्व: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह है, जो 2030 तक अधिक समावेशी और टिकाऊ विश्व के निर्माण के लिए भाषाई विविधता पर प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित करेगा। भाषाई विविधता को बढ़ावा देने, लुप्तप्राय भाषाओं की रक्षा करने और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को प्रदर्शित करने पर जोर दे रहा है। तकनीकी विकास और इंटरनेट के सुरक्षित विस्तार के साथ, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि स्थानीय और मातृभाषाओं को डिजिटल माध्यमों में कैसे संरक्षित किया जाए। यह दिवस हमें भाषाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। फिर भी, बहुभाषी शिक्षा में प्रगति हो रही है, इसके महत्व की समझ बढ़ रही है, खासकर प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में, और सार्वजनिक जीवन में इसके विकास के लिए अधिक प्रतिबद्धता है।

मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947 में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढ़ाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरु कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

विश्व में विगत 40 वर्षों में लगभग डेढ़ सौ से अधिक अध्ययनों के निष्कर्ष हैं कि मातृभाषा में ही शिक्षा होनी चाहिए, क्योंकि बालक को माता के गर्भ से ही मातृभाषा के संस्कार प्राप्त होते हैं। भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है।

मातृभाषा को प्रोत्साहन देकर ही भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देना होगा। मातृभाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में भी हिन्दी ने देश को एकजुट करने में सशक्त भूमिका का निर्वहन किया। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक मातृ भाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। 85 संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के तीन हजार विशेषज्ञों के पीपुल्स लिंग्युस्टिक सर्वे आफ इंडिया (पीएलएसआई) के अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों के दौरान 780 विभिन्न बोलियों वाले देश की 250 भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। इनमें से 22 अधिसूचित भाषाएं हैं।

जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 122 भाषाएं हैं। बाकी 10 हजार से कम लोगों द्वारा बोली जाती है। आयरिश भाषाई विद्वान जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के बाद पहली बार 1898-1928 के बीच भाषाई सर्वे किया गया है। आजाद भारत में पहली बार किए गए इस पहले सर्वे में चार वर्ष लगे। इस रिपोर्ट के अनुसार भाषाई विविधता की दृष्टि से भारत में अरुणाचल प्रदेश सबसे समृद्ध राज्य है, वहाँ 90 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है, जहाँ 50 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। 47 भाषाओं के साथ ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके विपरीत गोवा में सिर्फ तीन भाषाएं बोली जाती हैं तो दादर और नगर हवेली में एक भाषा 'गोरपा' है, जिसका अब तक कोई रिकार्ड नहीं है। करीब 400 से अधिक भाषाएं आदिवासी और घुमंतू व गैर-अधिसूचित जनजातियाँ बोलती हैं।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। हिन्दी सभी भाषाओं की बड़ी बहन है इसका यह अर्थ नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं को लघुतर मानें। संस्कृत मातृभाषा है और सभी भ्रातृभाषाएं हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, विदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रट्टू बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है। इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि मैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए मातृभाषा में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

नजरिया

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाकों में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से

लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं।

जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

यूक्रेन में चुनाव पर जोर देकर यूक्रेन सरकार को अवैध ठहराने के पुतिन के बिछाए जाल में फंस रहे ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेनसिल्वेनिया (अमेरिका)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को 18 फरवरी को सऊदी अरब में हुई उनके देश के भविष्य से संबंधित चर्चा से बाहर रखा गया। इस वार्ता के दौरान न तो कोई यूक्रेनी प्रतिनिधि था और न ही यूरोपीय संघ का कोई प्रतिनिधि था। वार्ता में केवल अमेरिकी एवं रूसी प्रतिनिधिमंडल और उनके सऊदी मेजबान थे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद यह बैठक हुई। इस बैठक का रूस में हर्षोल्लास से जश्न मनाया गया। यूक्रेन के भविष्य के बारे में निर्णय लेने में उसकी कोई भूमिका न होना, पुतिन की अपने पड़ोसी के प्रति नीति के अनुरूप है। पुतिन लंबे समय से यूक्रेन देश और यूक्रेन सरकार की वैधता को अस्वीकार करते रहे हैं।

हालांकि, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने दोहराया कि भविष्य की चर्चाओं में किसी न किसी स्तर पर यूक्रेन को शामिल करना होगा, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कार्यों एवं शब्दों ने कीव की स्थिति और प्रभाव को निस्संदेह कमजोर किया है। अमेरिका जेलेंस्की और यूक्रेन सरकार को अवैध ठहराने की रूस की योजना के अनुरूप तेजी से आगे बढ़ रहा है और शांति समझौते के तहत यूक्रेन में चुनाव कराने की वकालत कर रहा है।

जेलेंस्की की वैधता को चुनौती देना यूक्रेनी नेतृत्व को बदनाम करने, यूक्रेन के लिए उसके प्रमुख सहयोगियों से समर्थन को कमजोर करने और जेलेंस्की एवं संभवतः यूक्रेन को वार्ता में भागीदार के रूप में शामिल नहीं करने के लिए रूस श्रेय जानबूझकर चलाए जा रहे दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है।

रूसी राष्ट्रपति ने दावा किया है कि उनका देश शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन तीन साल से जारी युद्ध के कई पर्यवेक्षकों को उनके इस दावे पर संदेह है, क्योंकि यूक्रेन पर रूस के हमले लगातार जारी हैं और वह अभी तक किसी भी अस्थायी युद्धविराम समझौते पर सहमत नहीं हुआ है।इसके बावजूद, रूस यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि समस्या यह है कि यूक्रेन में ऐसा कोई वैध यूक्रेनी प्राधिकार नहीं है, जिसके साथ वह बात कर सके।

शर्तें तय करना

सऊदी अरब में हुई बैठक में अमेरिका ने किसी भी शांति समझौते के एक महत्वपूर्ण हिस्सा के तहत यूक्रेन में चुनावों पर कथित तौर पर चर्चा की। ट्रंप ने स्वयं 18 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''हमारे पास ऐसी स्थिति है कि यूक्रेन में चुनाव नहीं हुए हैं। वहां 'मार्शल लॉ' है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने गलत दावा किया कि जेलेंस्की की स्वीकृति रेटिंग घटकर ''चार प्रतिशत'' रह गई है। ताजा सर्वेक्षण से पता चलता है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति की स्वीकृति 'रेटिंग' 57 प्रतिशत है।

मतपेटी का जाल

जेलेंस्की सैद्धांतिक रूप से चुनावों के खिलाफ नहीं हैं और उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि चुनाव सही समय पर होने चाहिए। जेलेंस्की ने दो जनवरी को एक साक्षात्कार में कहा था, ''मार्शल लॉ खत्म हो जाने के बाद गेंद संसद के पाले में होती है – संसद फिर चुनाव की तारीख तय करती है।''

जेलेंस्की ने चार जनवरी को कहा था कि समस्या समय और परिस्थिति की है। उन्होंने कहा, ''युद्ध के दौरान चुनाव नहीं हो सकते। कानून, संविधान और अन्य चीजों में बदलाव करना जरूरी है। ये महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, लेकिन कुछ गैर-कानूनी, बहुत मानवीय चुनौतियां भी हैं।''

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान गुरुवार को गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम पर श्रद्धालुओं के पहुंचने पर पुलिस कर्मी भीड़ को नियंत्रित करते हुए।

इस बार के सर्दियों के मौसम में माउंट एवरेस्ट का बर्फ का आवरण 150 मीटर तक कम हुआः शोधकर्ता

नई दिल्ली/भाषा। माउंट एवरेस्ट के ऊपरी भाग में बर्फ का आवरण 150 मीटर तक कम हो गया है, जो 2024-2025 में सर्दियों के मौसम के दौरान जमी बर्फ में कमी का संकेत है। शोधकर्ताओं के विश्लेषण के बाद यह जानकारी सामने आई।

अमेरिका के निकोल्स कॉलेज में पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर और ग्लेशियर का अध्ययन करने वाले 'ग्लेशियोलॉजिस्ट' मौरी पेल्टो ने दो फरवरी को एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा, ''अक्टूबर 2023 से जनवरी 2025 की शुरुआत तक अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान संस्था 'नासा' (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) के उपग्रह चित्रों का विश्लेषण करने पर पता चला कि 2024 और 2025 दोनों में जनवरी तक 'हिम रेखा' में वृद्धि की संभावना है।''

'माउंट एवरेस्ट' दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है जिसकी ऊंचाई समुद्र तल से 8,849 मीटर ऊपर मापी गई है। यह धरती पर सबसे ऊंचा स्थान है। हिमालय की चोटी नेपाल और तिब्बत के बीच स्थित है।

'हिम रेखा' उस सीमा या ऊंचाई को दर्शाती है जिस पर बर्फ स्थायी रूप से पहाड़ पर बनी रहती है। बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया कम ऊंचाई वाले पहाड़ों पर होती है, लेकिन जब पहाड़ की ऊपरी ढलान पर बर्फ पिघलने लगती है तो यह गर्म जलवायु का संकेत होता है।

पेल्टो ने कहा कि हाल की सर्दियों में गर्म और शुष्क परिस्थितियां बनी हुई हैं। इनमें 2021, 2023, 2024 और 2025 की सर्दियां भी शामिल हैं, जिसके कारण बर्फ का आवरण कम हो रहा है, हिम रेखाएं ऊंची हो रही हैं और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हर शीत ऋतु के आरंभ में थोड़ी बहुत बर्फबारी होती है, लेकिन बर्फ का आवरण अधिक समय तक नहीं बना रहता जिससे पता चलता है कि माउंट एवरेस्ट पर 6000 मीटर से ऊपर भी ग्लेशियरों का पिघलना जारी है। पेल्टो ने कहा कि सर्दियों के दौरान इतनी ऊंचाइयों पर बर्फ के आवरण का कम होना मुख्य रूप से 'ऊर्ध्वपातन' का परिणाम है, जिसमें बर्फ सीधे सीधे वाष्प में परिवर्तित हो जाती है। इसके कारण प्रतिदिन 2.5 मिलीमीटर बर्फ तक का नुकसान देखा जाता है।

कपिल मिश्रा : प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा, आरएसएस के कटु आलोचक से हिंदुत्व के 'पोस्टरबॉय' तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सामाजिक कार्यकर्ता से दिल्ली सरकार में मंत्री बने कपिल मिश्रा कभी आम आदमी पार्टी के नेता के तौर पर भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कटु आलोचक माने जाते थे, लेकिन अब वह 'हिंदुत्व के पोस्टरबॉय' के रूप में नई पहचान के साथ उभरे हैं।

बृहस्पतिवार को मिश्रा ने रामलीला मैदान में एक भव्य समारोह में नवगठित दिल्ली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली कैबिनेट में उनका शामिल होना भाजपा श्रेय राष्ट्रीय राजधानी में अपने शासन दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मिश्रा अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने से पहले एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। 44 वर्षीय मिश्रा राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलनों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और 2015 में करावल नगर सीट से विधायक चुने गए। मिश्रा ने भाजपा उम्मीदवार और चार बार के विधायक मोहन सिंह बिष्ट को 44,431 मतों के अंतर से हराया था।

आप के संस्थापक सदस्य रहे कवि कुमार विश्वास के करीबी माने जाने वाले मिश्रा को 'आप' संयोजक और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2015 में जल संसाधन मंत्री के रूप में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया था।

मिश्रा दिल्ली विधानसभा के अंदर और बाहर मोदी, भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाते थे। मोदी और आरएसएस के खिलाफ बोलते हुए मिश्रा के कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बाद में केजरीवाल और मिश्रा के बीच संबंधों में खटास आने के बाद उन्होंने आप संयोजक के खिलाफ बयानबाजी की। उन्होंने केजरीवाल और उनके एक अन्य मंत्रिमंडलीय सहयोगी सत्येंद्र जैन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

मिश्रा को 2017 में मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था। लेकिन इससे मिश्रा हतोत्साहित नहीं हुए। वह केजरीवाल और आप की आलोचना करते रहे। आप विधायक होने के बावजूद वह भाजपा के कार्यक्रमों में हिस्सा लेते नजर आते थे।

पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें 2019 में विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वह 2019 में भाजपा में शामिल हो गए और पार्टी की दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष बनाए गए। उन्होंने मॉडल टाउन से भाजपा के टिकट पर 2020 का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। मिश्रा धीरे-धीरे मुसलमानों के खिलाफ बोलते हुए भाजपा के 'हिंदुत्व पोस्टरबॉय' बन गए। उन पर 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान नफरत भरे भाषण देने का आरोप है। मिश्रा ने पांच फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप के मनोज कुमार त्यागी को 23,355 मतों के अंतर से हराया था।

प्रयागराज में नई फिल्म की शूटिंग कर रहे अभिषेक बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अभिषेक बनर्जी इन दिनों प्रयागराज में अपनी नई फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट फिलहाल गोपनीय रखा गया है। यह फिल्म अभिषेक बनर्जी की उनकी अब तक की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने की उम्मीद है। हाल ही में अभिषेक को अपनी को-स्टार शहाना गोस्वामी और फिल्म की टीम के साथ शूटिंग करते देखा गया। महाकुंभ के भव्य आयोजन के बीच, पूरी टीम इस आध्यात्मिक माहौल में डूबी नज़र आई।

पूरे शहर में भक्ति और आस्था का माहौल है, और इसी ऊर्जा के बीच अभिषेक अपने किरदार को जीवंत करने में जुटे हैं।

फिल्म की कहानी और बाकी कलाकारों से जुड़ी जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि यह अभिषेक के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक हो सकती है। अपने अब तक के दमदार और हटकर रोल्स के चलते, उनकी इस नई फिल्म से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।जब पुष्टि के लिए अभिषेक से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, हां, मैं इस समय एक फिल्म की शूटिंग कर रहा हूं, लेकिन इसके बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हालांकि, मैं अपने प्रदर्शन में पूरी तरह डूबा हुआ हूँ और प्रयागराज की आध्यात्मिक ऊर्जा को गहराई से महसूस कर रहा हूं।

अभिनेत्री सोनम कपूर मुंबई एयरपोर्ट पर फोटो खिंचवाती हुई।

फिल्म 'जय संतोषी मां' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 22 को जी बाइस्कोप पर

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म जय संतोषी मां का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 22 फरवरी को शाम 6 बजे जी बाइस्कोप पर किया जाएगा। फिल्म जय संतोषी मां के निर्माता निशांत उज्ज्वल ने बताया कि यह फिल्म भोजपुरी दर्शकों के लिए एक आध्यात्मिक और भक्तिमय अनुभव होगी। फिल्म का पुनः प्रसारण 23 फरवरी को सुबह 9:30 बजे से किया जाएगा। निशांत उज्ज्वल ने कहा, फिल्म 'जय संतोषी मां' मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति से जुड़ी यात्रा है। हमने इसे पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ बनाया है जिससे दर्शकों तक मां संतोषी की महिमा और उनकी कृपा का संदेश पहुंचे। यह फिल्म भक्ति, संगीत और मनोरंजन का अद्भुत संगम है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को प्रभावित करेगा। फिल्म में भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अदाकारा रानी चटर्जी और स्मृति सिन्हा, साथ ही जय यादव मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। उनके साथ मनोज टाइगर, रंभा सहनी, नीतिका जायसवाल, प्रियांशु सिंह, परितोष, पूनम, मोहन, रजनीश पाठक, राम सुजान सिंह, नन्हें पांडेय जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। विनय बिहारी भी विशेष भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता निशांत उज्ज्वल और धर्मेंद्र मेहरा हैं, जबकि सह निर्माता डॉ. संदीप उज्ज्वल और सुशांत उज्ज्वल हैं। फिल्म की कहानी शमशेर ने लिखी है, जबकि इसके गीतकार प्यारे लाल यादव और चित्रांगदा मिश्रा हैं। फिल्म का संगीत रजनीश मिश्रा और भरत चौहान ने तैयार किया है। कैमरा संचालन मनोज सिंह और कला निर्देशन विनोद बिहारी का है।

'ग्लोरी' के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं पुलकित सम्राट

मुंबई/एजेन्सी

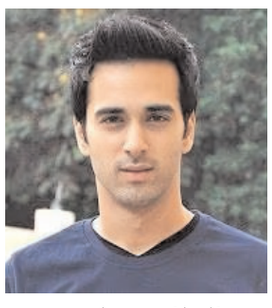

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी आगामी थ्रिलर सीरीज 'ग्लोरी' के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पुलकित सम्राट नेटफ्लिक्स की आने वाली हाई-ऑक्टेन थ्रिलर सीरीज 'ग्लोरी' के साथ ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। पुलकित सम्राट हमेशा फिटनेस के लिए समर्पित रहे हैं, अक्सर प्रशंसकों को प्रेरित करने के लिए अपने गहन कसरत सत्रों को साझा करते हैं। जैसे-जैसे वह ग्लोरी के साथ अपने बहुप्रतीक्षित ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार हो रहे हैं, उनका प्रशिक्षण और भी कठिन हो गया है। पुलकित,ग्लोरी में एक मुक्केबाज की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, और भूमिका को मूर्त रूप देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता उनकी कसरत दिनचर्या में स्पष्ट है। वर्तमान में पंजाब में ग्लोरी की शूटिंग कर रहे पुलकित की शारीरिक तैयारी जोरों पर है। हाल ही में, उनके प्रशिक्षक ने एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्हें ट्रेडमिल पर मुक्केबाजी का अभ्यास करते हुए दिखाया गया है- डम्बल पकड़े हुए घूंसे फेंकना। क्लिप में उनके प्रशिक्षण की तीव्रता पर प्रकाश डाला गया है, जो भूमिका के प्रति उनके समर्पण को साबित करता है। पिछले कुछ हफ्तों से, पुलकित लगातार अपने स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, एंड्यूरेंस ड्रिल और कॉम्बैट वर्कआउट की झलकियाँ पोस्ट कर रहे हैं, जिससे प्रशंसकों को अपने बॉक्सर चरित्र को जीवंत करने के लिए उनकी कड़ी मेहनत पर एक नज़र आती है। एटॉमिक फिल्म्स के बैनर तले मोहित शाह और करण अंशुमन निर्मित, 'ग्लोरी' में पुलकित सम्राट, दिव्येंदु शर्मा और सुविंदर विक्की प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

नब्बे के दशक में बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करती थी : करुणा पांडे

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा कि 90 के दशक में बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करती थी। सोनी सब का लोकप्रिय शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' दर्शकों को प्रेरित करने का सिलसिला जारी रखे हुए है। इस शो की नायिका पुष्पा (करुणा पांडे) एक निडर और मजबूत महिला हैं, जो अपनी हिम्मत और जज़्बे से हर चुनौती का सामना करती हैं। हाल ही के एपिसोड्स में दर्शकों को हल्के-फुल्के और मज़ेदार पल देखने को मिले, जब चाय के ठेले पर वैलेंटाइन डे को लेकर कन्फ्यूजन छा गया। पुष्पा तब अपनी हंसी नहीं रोक पाई, जब जुगल (अंशुल त्रिवेदी) ने खुलासा किया कि उसने और दिलीप (जयेश मोरे) ने अलग-अलग सोचकर पुष्पा को फिल्म दिखाने की योजना बनाई थी। यह खुशहाल माहौल तब अचानक गंभीर मोड़ ले लेता है, जब दिलीप को एक अधिकारी से फोन आता है, जो उसे चेतावनी देता है कि संतोष (अमित श्रीकांत सिंह) जेल से भाग गया है और वह चॉल की तरफ बढ़ सकता है। आने वाले एपिसोड्स में, चॉल में अफरा-तफरी मच जाती है, जब संतोष वहां चुपके से घुसकर दिलीप पर हमला करने की कोशिश करता है, लेकिन पुलिस उसे देख लेती है। अफरा-तफरी के बीच उसकी बंदूक गिर जाती है और वह वहां से भागने में कामयाब हो जाता है। लेकिन यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती। नानावटी स्कूल में एक रीयूनियन के दौरान संतोष एक खतरनाक योजना के साथ दोबारा लौटता है। एक इंस्पेक्शन ऑफिसर के भेष में वह मौके का फायदा उठाकर पुष्पा को बंधक बना लेता है, जबकि स्वरा (वृही कोडवारा) और मुन्नी (हंसिका जांगिड) भी वहीं मौजूद होती हैं। इसके बाद एक जबरदस्त टकराव देखने को मिलता है, जहां पुष्पा, दिलीप, जुगल और पुलिस मिलकर संतोष को रोकने और उसे न्याय के कटघरे तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं। करुणा पांडे ने कहा, इस कहानी से हम बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना चाहते थे। शूटिंग के दौरान मुझे 90 के दशक की वे मशहूर फिल्में याद आ रही थीं, जहां बंधक ड्रामा फिल्मों की जान हुआ करता था। उन फिल्मों में एक जबरदस्त रोमांच और पकड़ थी, और इसी तरह की ऊर्जा को अपने इस सीन में लाने का अनुभव वाकई खास था। इस एपिसोड की सबसे खास बात यह है कि यह भावनाओं को इतनी खूबसूरती से संतुलित करता है।यह आपको अपने हल्के-फुल्के, दिल को छू लेने वाले पलों से जोड़ता है, और फिर अचानक आपको गहरे रोमांच में धकेल देता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520 Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016 posted at Patrika Channel, Egmore RMS, Chennai-8

वित्त मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

गति कृषि विकास में

केन्द्रीय बजट 2025-2026

समृद्ध अन्नदाता, समृद्ध भारत

किसानों को मिली नई सुविधाएं
बनेंगी विकसित भारत का आधार

पीएम धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत 100 जिलों में उत्पादकता बढ़ाकर 1.7 करोड़ किसानों का विकास

लगभग 7.7 करोड़ मछुआरों, किसानों तथा डेयरी किसानों की मदद के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की ऋण सीमा बढ़ाकर ₹5 लाख की

भारत के समुद्री क्षेत्र के उद्यमियों और किसानों की मदद के लिए, फ्रोजन फिश पेस्ट पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 30% से घटकर 5% और फिश हाइड्रोलाइसेट पर 15% से घटकर 5%

कॉम्प्रहैंसिव रूरल प्रोस्पेरिटी एंड रेसिलिएंस कार्यक्रम के तहत ट्रेनिंग, टेक्नोलॉजी और निवेश द्वारा स्थानीय कृषि और रोजगार बढ़ाएँगे ताकि प्रवास एक विकल्प बने, मजबूरी नहीं (शुरुआत 100 कृषि जिलों से)

स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और ग्रामीण इलाकों के लोगों की ऋण आवश्यकताओं के लिए 'ग्रामीण क्रेडिट स्कोर' का ढांचा तैयार

दालों, खासकर अरहर, उड़द और मसूर में आत्मनिर्भरता के लिए एक खास मिशन

CBC 15201/13/0011/2425

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.